सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

गलत लोग गलत करके भी शर्मिंदा नहीं होते,
सही लोग केवल इल्जाम से ही टूट जाते हैं...!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–36 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 24 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

क्या संकेत दे रहे हैं वरिष्ठ कांग्रेस विधायक कवासी लखमा के बदले तेवर?

आलोक तिवारी / रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजनीति में कई दृश्य आते हैं, पर कुछ दृश्य इतिहास की प्रस्तावना बन जाते हैं। पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की जेल से रिहाई के बाद विधानसभा में एंट्री ऐसा ही एक क्षण था। आबकारी घोटाले की आंच झेलने के बाद जब वे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर केंद्रीय जेल रायपुर से बाहर आए और बजट सत्र में पहुंचे, तो सदन का माहौल सामान्य नहीं था—वह संकेतों से भरा हुआ था।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की सहमति से सदन में पहुंचे लखमा का जिस गर्मजोशी से स्वागत हुआ, उसने सियासी गलियारों में नई चर्चा को जन्म दे दिया। वरिष्ठ भाजपा नेता अजय चंद्राकर का गले लगाना हो या उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा की आत्मीयता—यह महज शिष्टाचार था या भविष्य की पटकथा? वित्त मंत्री ओपी चौधरी और वरिष्ठ नेता धरमलाल कौशिक की मौजूदगी ने भी तस्वीर को और दिलचस्प बना दिया। विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने स्वागत तो किया, लेकिन सवाल यह है—क्या कांग्रेस का यह स्वागत मन से था या मजबूरी में?

राजनीति या रणनीति?

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि मार्च में संभावित राज्यसभा चुनाव से पहले आदिवासी राजनीति में हलचल बढ़ना स्वाभाविक है। बस्तर क्षेत्र में लखमा का प्रभाव किसी परिचय का मोहताज नहीं। यदि उनके तेवर सचमुच बदल रहे हैं, तो यह सिर्फ एक व्यक्ति का निर्णय नहीं, बल्कि सत्ता संतुलन का झुकाव हो सकता है।

रिहाई के बाद सत्ता पक्ष के नेताओं की सार्वजनिक प्रशंसा ने कांग्रेस खेमे में बेचैनी बढ़ा दी है। सवाल यह भी उठ रहा है कि एक साल से अधिक समय जेल में रहने के दौरान क्या कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ आदिवासी चेहरे के साथ वैसी मजबूती से खड़े होने का संदेश दिया, जैसा अपेक्षित था?

परिवार, भविष्य और फैसले

सूत्रों की मानें तो लखमा अपने पुत्र हरीश लखमा के राजनीतिक भविष्य को लेकर भी चिंतित हैं। हरीश लखमा सुकमा जिला पंचायत की कमान संभाल चुके हैं और जिला कांग्रेस में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। ऐसे में पिता की राजनीतिक दिशा बेटे की राह तय कर सकती है।

बस्तर की बदलती जमीन

भाजपा सरकार बस्तर में नक्सल उन्मूलन और विकास की आक्रामक रणनीति पर काम कर रही है। यदि क्षेत्र में शांति और विकास की नई तस्वीर उभरती है, तो आदिवासी राजनीति का समीकरण भी बदलेगा। ऐसे में अनुभवी नेता अपने लिए नई जमीन तलाशें, तो यह राजनीति का स्वाभाविक नियम है।

कवासी लखमा की विधानसभा वापसी महज एक रिहाई नहीं, बल्कि संकेतों का सिलसिला है। राजनीति में स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होते—सिर्फ स्थायी हित होते हैं। आने वाले हफ्ते यह तय करेंगे कि यह आत्मीयता क्षणिक थी या किसी बड़े राजनीतिक बदलाव की प्रस्तावना। छत्तीसगढ़ की सियासत अब प्रतीक्षा में है—क्या यह शांति से पहले की आहट है, या तूफान से पहले की?

गौरतलब है कि सुदूर आदिवासी अंचल कोंटा विधानसभा क्षेत्र से लगातार कांग्रेस की टिकट पर जीतने वाले कवासी लखमा आबकारी मंत्री रहते हुए आबकारी घोटाले में फंस गए थे।

नवोदय विद्यालय बोरई में छात्र से मारपीट का आरोप, शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई में अध्ययनरत छात्रों के साथ कथित मारपीट और दुर्व्यवहार के आरोपों ने एक बार फिर संस्थान की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक अभिभावक ने अपने पुत्र के साथ बेरहमी से मारपीट किए जाने का आरोप लगाते हुए प्राचार्य सहित प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित शिकायत दी है। गंभीर आरोप यह भी है कि पूर्व में की गई शिकायतों पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

कक्षा दसवीं के छात्र से मारपीट का आरोप

अभिभावक द्वारा प्राचार्य को दिए गए पत्र के अनुसार कक्षा दसवीं के छात्र राजवीर देशलहरे को 28 सितंबर 2024 को शिक्षक सुजीत देशमुख द्वारा कथित रूप से बुरी तरह पीटा गया। आरोप है कि लिखावट छोटी होने और कॉपी में काट-छांट होने के कारण छात्र को हाथ, डंडे और अन्य वस्तुओं से मारा गया। परिजनों का कहना है कि 29 सितंबर को मुलाकात के दौरान जब पिता ने बेटे की पीठ पर हाथ रखा तो वह दर्द से चिल्ला उठा। पीठ पर काले निशान पाए गए और हाथों में तेज दर्द की शिकायत की गई। छात्र ने बताया कि शिक्षक द्वारा अपमानजनक शब्दों का भी प्रयोग किया गया और परीक्षा में कम अंक देने की धमकी दी गई। अभिभावक ने 4 अक्टूबर 2024 को अवकाश आवेदन के साथ पूरी घटना का उल्लेख करते हुए लिखित शिकायत दी। गेट रजिस्टर में भी मारपीट की जानकारी दर्ज कराए जाने का दावा किया गया है।

कार्रवाई पर सवाल

दो अलग-अलग वर्षों में की गई शिकायतों के बावजूद अब तक किसी स्पष्ट अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। इससे अभिभावक और स्थानीय लोगों में आक्रोश है। प्रश्न उठ रहा है कि क्या संबंधित शिक्षक को किसी प्रकार का संरक्षण प्राप्त है? या फिर आर्थिक रूप से कमजोर परिवार होने के कारण शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया?

2022 में भी हुआ था मारपीट का आरोप

यह पहला मामला नहीं है। अभिभावक द्वारा 2 अप्रैल 2022 को भी एक शिकायत की गई थी, जिसमें उस समय कक्षा सातवीं में अध्ययनरत छात्र के साथ मारपीट और जातिसूचक टिप्पणी किए जाने का आरोप लगाया गया था। शिकायत में कहा गया था कि कान में गंभीर सूजन होने के बाद छात्र को दुर्ग के ईएनटी विशेषज्ञ को दिखाना पड़ा। पत्र में आरोप लगाया गया कि शिक्षक द्वारा छात्र को विद्यालय का बोझ कहकर अपमानित किया गया और कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया। उस शिकायत की प्रतिलिपि जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और मीडिया को भी भेजी गई थी।

जांच और जवाबदेही की मांग

अभिभावक ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि संस्थागत स्तर पर कार्रवाई नहीं होती है तो वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे। विद्यालय प्रशासन की ओर से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। शिक्षा जगत में यह सवाल उठ रहा है कि यदि आवासीय विद्यालय में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पाती, तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी? अब निगाहें जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि आरोप सत्य पाए जाते हैं, तो यह न केवल एक शिक्षक की जवाबदेही का प्रश्न होगा, बल्कि पूरे संस्थागत तंत्र की संवेदनशीलता की परीक्षा भी होगी।

प्रदेश के विकास को नई गति देगा बजट : मुख्यमंत्री साय

सुशासन से समृद्धि की ओर: विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला का बजट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत किए जा रहे राज्य के बजट को प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नवीन विधानसभा भवन में प्रस्तुत होने जा रहा हमारी सरकार का यह तीसरा बजट विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए सरकार के विजन को नई मजबूती प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का यह बजट समावेशी विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आमजन के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। किसानों, गरीबों, युवाओं, मातृशक्ति और आदिवासी समाज के सशक्तीकरण को सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वित्त वर्ष 2026-27 का यह बजट प्रदेश के 'सुशासन से समृद्धि' मॉडल को मजबूत आधार प्रदान करेगा और विकास की गति को और तेज करेगा। यह बजट राज्य के बुनियादी ढांचे, रोजगार सृजन, कृषि उन्नयन, सामाजिक सुरक्षा तथा मानव संसाधन विकास को नई दिशा देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के अपने संकल्प पर दृढ़ है और यह बजट उस दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बजट से प्रदेश आत्मनिर्भरता, आर्थिक प्रगति और समृद्धि के नए दौर में प्रवेश करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को आगामी बजट के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला साबित होगा।

अंधे कत्ल का खुलासा, खेत विवाद में हत्या का आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना रानीतरई क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केंवरा में हुए अंधे कत्ल की गुत्थी को दुर्ग पुलिस ने 12 घंटे से कम समय में सुलझाते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। खेत में पानी डालने को लेकर चली आ रही पुरानी रंजिश इस जघन्य वारदात की वजह बनी।

21 फरवरी को ग्राम केंवरा स्थित एक कृषि खेत में अमर सिंह साहू का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा होने की सूचना पुलिस को मिली। थाना रानीतरई की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में मृतक के सिर और गर्दन पर धारदार हथियार से गंभीर चोट के निशान पाए गए, जिससे स्पष्ट हुआ कि यह सुनियोजित हमला था।

जांच में सामने आया कि खेत में पानी डालने को लेकर मृतक और आरोपी के बीच पूर्व से

विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने मौके का फायदा उठाकर धारदार हथियार से प्राणघातक हमला कर दिया, जिससे अमर सिंह साहू की मौत हो गई।

प्रकरण में अपराध क्रमांक 21/2026 धारा 103 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटनास्थल निरीक्षण, साक्ष्य संकलन और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने संदेही मोहन लाल सिन्हा (48 वर्ष), निवासी ग्राम केंवरा, को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक धारदार हथियार भी जब्त किया गया है।

इस कार्रवाई में एसआईयू टीम और थाना रानीतरई पुलिस की संयुक्त भूमिका रही। टीम ने त्वरित जांच और साक्ष्यों के आधार पर महज कुछ घंटों में मामले का खुलासा कर आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। ग्राम केंवरा की इस वारदात ने एक बार फिर यह साबित किया है कि छोटी सी रंजिश भी जब हिंसा में बदलती है तो परिणाम जानलेवा हो सकते हैं। हालांकि, त्वरित कार्रवाईकर पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाकर कानून व्यवस्था पर भरोसा कायम करने का प्रयास किया है।

ईलाज के लिए डॉ. रमन सिंह गए कोयंबटूर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह तमिलनाडु में कोयंबटूर चले गए हैं। मंगलवार को वहां उनकी कमर की हड्डी की मेजर सर्जरी है। उनका कमर का इलाज काफी अरसे से वहीं चल रहा है। अपनी अनुपस्थिति में उन्होंने विधानसभा संचालन की जिम्मेदारी सीनियर सदस्यों धरमलाल कौशिक और धमजीत सिंह को सौंपी है।

विधानसभा सत्र के दौरान डॉ. रमन सिंह की गैरमौजूदगी में सदन की गरिमा और कार्यप्रणाली को बनाए रखने के लिए कौशिक और धमजीत ही मुख्य भूमिका निभाएंगे। ये दोनों अनुभवी नेता सदन में प्रश्नकाल और ध्यानाकर्षण सूचनाओं का संचालन सुनिश्चित करेंगे। इनकी सहायता के लिए एक सभापति तालिका (Panel of Chairmen) का भी गठन किया गया है। यह तालिका समय-समय पर विधानसभा की कार्यवाही के दौरान उपरोक्त दोनों नेताओं को सहयोग प्रदान करेगी, ताकि विधायी कार्य सुचारू रूप से पूरे किए जा सके।

तीरंदाजी स्पर्धा खिलाड़ियों में दिखेगा अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रीय एकता का जज्बा – उपमुख्यमंत्री

14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी स्पार्धा का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल भिलाई में 23 से 27 फरवरी तक आयोजित 14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ आज उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। यह प्रतियोगिता अखिल भारतीय पुलिस कंट्रोल बोर्ड, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 437 प्रतिभागियों जिसमें 285 पुरुष एवं 152 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। टीमों के साथ मैनेजर एवं कोच भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी टीम मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। तीरंदाजी प्रतियोगिता के तीन प्रमुख इवेंट इंडियन राउंड, रिकर्व एवं कंपाउंड शामिल हैं।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों एवं केंद्रीय बलों से आए सभी खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर हृदय से स्वागत और अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है कि इतने प्रतिष्ठित स्तर की अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर राज्य को प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का सशक्त साधन हैं। देश के कोने-कोने से आए खिलाड़ी यहां एक मंच पर एकत्र हुए हैं, जो भारत की विविधता में एकता की भावना को साकार करते हैं। विशेष रूप से पुलिस एवं केंद्रीय बलों के खिलाड़ी, जो देश की सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं, खेल मैदान में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों की उपस्थिति इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ाती है।

दुर्ग महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि खेल जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। खेल शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता के विकास में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाड़ियों के बीच सामंजस्य और एकता की भावना खेलों से ही विकसित होती है। सभी खिलाड़ियों के लिए निवास, परिवहन एवं सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि उन्हें सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण मिल सके। इस अवसर पर डीजीपी अरूण देव गौतम, एडीजी विवेकानन्द सिन्हा, एडीजी एसआरपी कल्लूरी, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

वित्तमंत्री चौधरी ने बजट पेश करने से पहले मंदिर में पूजा अर्चना की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बजट पेश करने से पहले मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान उनकी पत्नी भी मौजूद रहीं। यहां से वे विधानसभा के लिए रवाना होंगे। और 12.30 बजे बजट पेश करेंगे। सीएम साय ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पेश किए जा रहे राज्य के बजट को प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने कहा कि नवीन विधानसभा भवन में पेश होने जा रहा हमारी सरकार का यह तीसरा बजट विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए

सरकार के विजन को नई मजबूती प्रदान करेगा। इस बार का बजट प्रशासनिक सुधार, डिजिटल गवर्नेंस और टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर केंद्रित रहने की संभावना है। सरकारी योजनाओं की मॉनिटरिंग, ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं। सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी लाने और इंडस्ट्रियल ग्रोथ को नई रफ्तार देने के संकेत पहले ही दे चुकी है।

भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन के विरोध में 22 मार्च को होगा पैदल मार्च

संवाद कार्यक्रम में लीज और रिटेशन स्कीम के आवास सुरखित रखने का लिया संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में हाउस लीज और रिटायर्ड कर्मचारियों के परमानेंट सेटलमेंट को लेकर भिलाई नहीं बिकने देंगे को लेकर लगातार आंदोलन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को सेक्टर 2 स्थित शक्ति सदन में जन संवाद हुआ। जहां भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन दो माह बाद भी हाउस लीज और रिटेंशन स्कीम की दरों में वृद्धि से संबंधित आदेश को वापस नहीं लिया है। प्रबंधन द्वारा ली एवं रिटेंशन के तहत आवंटित आवास को लटकाया जा रहा है। जबकि दिसंबर में प्रबंधन ने 15 दिनों के अंदर हाउस लीज एवं रिटेंशन स्कीम की बढ़ी हुई किराये की दर पर उचित निर्णय लेने की बात कही थी, परंतु अब तक प्रबंधन कोई निर्णय नहीं लिया है।

इसलिए आंदोलन को वार्ड दौरे से आगे बढ़ाते हुए पैदल मार्च करने का निर्णय लिया गया है और पदयात्रा 22 मार्च को सिविक सेंटर से प्रारंभ होगी और सेंट्रल एवेन्यू होते हुए भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 मैदान पहुंचेगी। जहां पदयात्रा को विराम दिया जाएगा।

संवाद कार्यक्रम में बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मचारी, लीज और रिटेंशनधारियों ने आवास का किराये की दर में 24 रूपये प्रतिवर्गफीट की दर से अमानवीय वृद्धि की गई है, मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पेयजल की आपूर्ति की समस्यायें रखी। आंदोलन को जारी रखने और बढ़ा हुआ किराया की राशि नहीं देने पर जोर दिया। वहीं सीनियर सिटीजन ने सेक्टर 9 चिकित्सालय में इलाज और उपचार के दौरान होने वाली परेशानी से अवगत कराया और सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी के लिए आवास की वैकल्पिक व्यवस्था को पूर्ववत दो माह के बजाय दो साल तक जारी रखने जैसे विषयों को रखा और अपने हक और अधिकार के लिए बीएसपी परिवार से युवाओं को आंदोलन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

संवाद कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, एमआईसी

सदस्य लक्ष्मी पति राजू, पार्षद नोमिन साहू, पार्षद साधना सिंह, राजेन्द्र परगनिहा, हरीश सिंह, अभिषेक अवस्थी हाउस लीज संघर्ष समिति के पदाधिकारी समेत अन्य लोग मौजूद थे। बता दें कि विधायक देवेन्द्र ने भिलाई बिकने नहीं देंगे जन-जागरण अभियान के तहत दिसंबर में सिविक सेंटर भिलाई में जनता के सहयोग से 5 दिन का उपवास रखा था। जिसके बाद बीएसपी प्रबंधन के साथ जिला प्रशासन की मौजूदगी में त्रिपक्षीय चर्चा हुई थी, जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय सेक्टर.-9 को लीज पर नहीं देने, अस्पताल में कार्य करने वाले कर्मचारी और पूर्व कर्मचारियों की सुविधाएं यथावत रखने और मैत्री बाग को किसी भी संस्थान को नहीं देने की सहमति बनी थी। रिटेंशन स्कीम को लेकर प्रबंधन की ओर से संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने की वजह से विधायक यादव ने 15 दिन का समय दिया था। प्रबंधन की ओर से जवाब नहीं आने के बाद 14 जनवरी को वार्ड दौरे के साथ जन संवाद अभियान शुरू किया गया है जो लगातार चल रहा है।

होली से पहले पुलिस का बड़ा एक्शन : इंस्टाग्राम-फेसबुक पर हथियार लहराने वाले पुलिस गिरफ्त में

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

होली पर्व से पहले सोशल मीडिया पर तलवार, चाकू और अन्य धारदार हथियारों के साथ फोटो-वीडियो अपलोड कर दहशत फैलाने वालों पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। जिले में चलाए गए विशेष अभियान के तहत इंस्टाग्राम और फेसबुक पर हथियारों का प्रदर्शन करने वाले 27 युवकों की पहचान की गई। इनमें से दो आरोपियों के खिलाफ Arms Act के तहत थाना छावनी में अपराध दर्ज किया गया है, जबकि अन्य के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की गई है।

तकनीकी सेल और एसीसीयू की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग में ऐसे कई अकाउंट सामने आए, जिनमें युवक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से धारदार हथियार मंगाकर उनके साथ फोटो और रील्स बनाकर अपलोड कर रहे थे। इन पोस्टों में खुलेआम हथियार लहराए जा रहे थे, जिससे आम लोगों में भय का माहौल बन रहा था। जांच में पता चला कि कुछ युवकों ने होली से पहले रुतबा और स्टेटस सिंबल दिखाने के लिए हथियारों के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए थे। पुलिस ने सभी आरोपियों को ट्रेस कर संबंधित थाना क्षेत्रों में तस्दीक की कार्रवाई की।

छावनी थाना में 300 लोगों को समझाइश

थाना छावनी क्षेत्र में दो आरोपियों के पास से धारदार हथियार जब्त किए गए। इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। अन्य मामलों में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस ने करीब 300 युवकों और उनके अभिभावकों को थाने बुलाकर समझाइश दी कि अवैध हथियार खरीदना, रखना और सोशल मीडिया पर प्रदर्शन करना गंभीर अपराध है। नाबालिगों द्वारा अपलोड की गई आपत्तिजनक पोस्ट उनके परिजनों की मौजूदगी में डिलीट करवाई गई।

इन थाना क्षेत्रों में सबसे ज्यादा मामले

सबसे ज्यादा 6 मामलों में कार्रवाई छावनी थाना क्षेत्र में हुई। इसके अलावा मोहन नगर में 4, जामुल में 3, कोतवाली दुर्ग और मोहन नगर में 2-2, जबकि सुपेला, भिलाई नगर, नेवई, पुरानी भिलाई, उतई, नंदिनी नगर और धमधा में 1-1 युवक पर कार्रवाई की गई।

आगे भी जारी रहेगी सख्ती

एएसपी ग्रामीण मणिशंकर चंद्रा ने कहा कि जिले में अवैध हथियार रखने, ऑनलाइन मंगाने या सोशल मीडिया पर उनका प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि त्योहार की आड़ में दहशत फैलाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ओटेबंद में 66वां विष्णु महायज्ञ प्रारंभ, वैदिक मंत्रोच्चार से गूंजा परिसर

दुर्ग। बालोद व दुर्ग जिले की सीमा से लगे ओटेबंद (बगीचा) में 66वां विष्णु महायज्ञ धार्मिक आस्था, वैदिक परंपरा और भक्तिभाव के साथ शुरू हो गया है। हवन-पूजन के शुभारंभ के साथ ही यज्ञ स्थल वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति संगीत से गुंजायमान हो उठा। मंदिर परिसर में भगवान विष्णु की श्रीरसागर मुद्रा में आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई है, जहां माता लक्ष्मी सहित विराजमान भगवान के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालु सुख-समृद्धि, शांति और परिवार के मंगल की कामना करते हुए विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर रहे हैं। यज्ञ स्थल पर वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना हुआ है। दूर-दराज के गांवों से पहुंचे ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। यज्ञ के साथ ही मंदिर परिसर के आसपास भव्य मेला भी सज गया है। मेले में पूजन सामग्री, खिलौने, घरेलू उपयोग की वस्तुएं तथा विविध खान-पान की दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। आयोजकों के अनुसार 1 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 12:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक राजीव नयन महाराज (श्रीधाम वृंदावन) द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वहीं प्रतिदिन शाम 7:30 बजे से आदर्श नाट्य कला मंडली भेंडरा द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जा रही हैं, जो दर्शकों को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक रंग में रंग रही हैं।

कार्यकर्ता सदैव प्रखर और प्रवीण प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ही बनते हैं-मंत्री यादव

भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव रहे। सह वक्ता के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दुर्ग जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने की। इस अवसर पर दुर्ग महापौर अलका बाघमार, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं दुर्ग संभाग प्रभारी शताब्दी पांडेय, प्रदेश आईटी सेल सह संयोजक प्रमोद सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उषा टावरी, जिला महामंत्री दिलीप साहू एवं विनोद अरोरा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला का आयोजन तीन सत्रों में किया गया। प्रथम सत्र की शुरुआत वंदे मातरम एवं राजकीय गीत के वाचन से हुई तथा समापन राष्ट्रीय गीत के साथ किया गया। विभिन्न सत्रों में आगामी प्रशिक्षण महाभियान की रूपरेखा, विषयवस्तु और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

प्रशिक्षण से बनते हैं अनुशासित और सक्षम कार्यकर्ता

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडेय ने कहा कि प्रशिक्षण महाभियान 2026 का उद्देश्य

पांच परिवर्तन पर केंद्रित रहा मुख्य संबोधन

कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यकर्ता सदैव प्रखर और प्रवीण प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ही बनते हैं। उन्होंने पांच परिवर्तन—सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भाव जागरण, नागरिक कर्तव्य और कुटुंब प्रबोधन—पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रशिक्षण अभियान वैचारिक रूप से दृढ़, संगठनात्मक रूप से सक्षम और समाज सेवा के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं के निर्माण का माध्यम है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वप्न को कार्यकर्ताओं की सहभागिता से पूरा किया जाएगा।

वैचारिक प्रतिबद्धता का निर्माण, पार्टी इतिहास की समझ और योजनाबद्ध कार्य संस्कृति को विकसित करना है। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि भाजपा एक विचार आधारित संगठन है, जहां कार्यकर्ता ही शक्ति का केंद्र हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को नीति, संगठनात्मक संरचना, जनसेवा के संस्कार और एआई, सोशल मीडिया एवं आईटी के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

आईटी सेल प्रदेश सह संयोजक प्रमोद सिंह ने नवाचार विषय पर संबोधन प्रस्तुत किया। सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः सुरेंद्र कौशिक, मनोज सोनी और पुनः सुरेंद्र कौशिक ने की। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री एवं जिला संयोजक दिलीप साहू ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा ने किया।

कार्यशाला में जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, आईटी व सोशल मीडिया टीम, मीडिया प्रभारी तथा प्रशिक्षण महाभियान के लिए गठित मंडल स्तरीय टोली के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह कार्यशाला आगामी दिनों में होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 की सफल क्रियान्विति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एकात्म मानववाद व राष्ट्र प्रथम का संदेश

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन ने जिज्ञासा संवाद विषय पर बोलते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद दर्शन को भारतीय संस्कृति और आत्मनिर्भरता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल चुनावी संगठन नहीं, बल्कि विचारधारा आधारित आंदोलन है और प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को निपुण, परिपक्व और जनहितकारी योजनाओं का सजग प्रहरी बनाना है।

स्वास्थ्य कर्मियों ने बजट में मांगा दुर्ग संभाग के लिए जेडी सेटअप

मांग

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने भेजा मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने दुर्ग संभाग में बजट सत्र में संयुक्त संचालक (जेडी) स्वास्थ्य सेवाओं के सेट-अप को स्वीकृति प्रदान करने की मांग रखी है। संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने मुख्य मंत्री विष्णु देव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, मुख्य सचिव विकासशील व स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया को भेजे ज्ञापन में कहा कि सभी संभागों में संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाओं का सम्पूर्ण सेट-अप स्वीकृत है। दुर्ग संभाग बनने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग के जे डी दफ्तर की स्वीकृति अभी तक नहीं मिली है जबकि शिक्षा विभाग, राजस्व, पेंशन लेखा कोष, संयुक्त संचालक वेटरनरी, पशुपालन का कार्यालय खुल चुके हैं।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा, कवर्धा, मोहल्ला मानपुर, खैरागढ़ छुईखदान गंडई,बालोद व राजनांदगांव को लेकर दुर्ग संभाग का गठन किया गया है। सभी विभागों ने अपने संभागीय संयुक्त संचालक का कार्यालय का सेटअप दे दिया है और उनके कार्यकाल भी संचालित है। इसके विपरीत स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े दुर्ग संभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की विभिन्न समस्या के लिए अभी भी रायपुर कार्यालय के अधीन रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के सेट-अप को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर पदोन्नति, विभागीय समस्याओं और अन्य का समाधान आसानी से होगा। कर्मचारियों को दूरी भी कम तय करनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में पूर्व में ज्ञापन सौंपा गया था। इस वित्तीय वर्ष में संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाओं के कार्यालय सेट-अप स्वीकृति के लिए शिक्षा मंत्री व ग्रामोद्योग विधि विधाई मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल और दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, डोमन लाल कोर्सेवाड़ा तथा वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ज्ञापन देकर कार्यालय खोले जाने और सेट-अप स्वीकृत करने मांग कर चुके हैं।

महामंत्री सैयद असलम ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का जे डी कार्यालय दुर्ग में नहीं है। अभी कर्मियों को रायपुर जाना होता है। दुर्ग संयुक्त संचालक स्वास्थ्य (जेडी) कार्यालय खुलने से कामकाज विकेंद्रीकृत होगा। 8 जिलों की स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा आसानी होगी। तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी स्वास्थ्य कर्मियों की वरीयता सूची और पदोन्नति के रास्ते मुहैया होंगे। स्वास्थ्य कर्मचारियों के संभागीय स्तर के मामलों में अपील करने एंव समाधान सुलझेंगे। कार्यालय का सेटअप आने से नई नियुक्ति के अवसर बढ़ेंगे और रोजगार उपलब्ध होगा। सभी वर्गों में ग्रेडेशन बनाना आसान होगा। अधिकारी-कर्मचारियों को लंबी दूरी यात्रा करने से समय और शारीरिक कठिनाई से बचाव होगा।

आदिवासी छात्राओं के लिए विशाल स्वास्थ्य परीक्षण व मार्गदर्शन शिविर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

350 छात्राओं ने लिया नि :शुल्क चिकित्सा का लाभ

नगर की ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के सेवा एवं रचनात्मक कार्यों के अंतर्गत आदिवासी विभाग के विज्ञान विकास केंद्र के छात्रावास में छात्राओं के लिए एक विशाल स्वास्थ्य परीक्षण एवं मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 350 छात्राओं ने नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच का लाभ लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर रहे, जबकि अध्यक्षता सिविल सर्जन सह अधीक्षक जिला चिकित्सालय दुर्ग के डॉ. ए.के. मिंज ने की। शिविर में नगर के प्रतिष्ठित चिकित्सकों द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें डॉ. अनिल विवेक सिन्हा (मेडिसिन), डॉ. मानसी गुलाटी (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. मीना शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ), होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. अभिषेक खरे एवं डॉ. अंकिता खरे, दंत चिकित्सकीय सेवाएं प्रमुख रहीं। इसके अतिरिक्त सिकल सेल एवं हीमोग्लोबिन परीक्षण के लिए पीएचसी पोटिया के तकनीशियनों द्वारा विशेष जांच की गई।

विज्ञान विकास केंद्र की प्रशासनिक अधिकारी उमिला ओझा एवं उनके समस्त स्टाफ की आयोजन में उल्लेखनीय भूमिका रही। वहीं समिति की ओर से अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, सचिव दिलीप ठाकुर, ज्ञानेश ताम्रकार, बी.पी. पांडे, आर.के. तिवारी, हरिश्चंद्र ठाकुर, रमेश साहू, नीलू सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्वास्थ्य शिविर में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए विधायक ललित चंद्राकर द्वारा सिविल सर्जन डॉ. ए.के. मिंज, समिति अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, सचिव दिलीप ठाकुर, रमेश साहू, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलू सिंह सहित चिकित्सक डॉ. मानसी गुलाटी, डॉ. मीना शर्मा, डॉ. अनिल विवेक सिन्हा, डॉ. अभिषेक खरे एवं डॉ. अंकिता खरे को सम्मानित किया गया। वहीं सिकल सेल एवं हीमोग्लोबिन परीक्षण में योगदान देने वाले तकनीशियनों को डॉ. ए.के. मिंज द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

मानवता की मिसाल खुर्सीपार भिलाई मानिकपुरी दम्पत्ति ने विधायक की पहल को इकलौते बेटे के लिए बताया "जीवन दान"

विधायक सेन ने पेश की दरियादिली, मासूम रुद्रांश की ओपन हार्ट सर्जरी का उठाया पूरा खर्च

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

राजनीति के व्यस्त गलियारों के बीच जब कोई जनसेवक सीमाएं लांघ कर मानवता को सर्वोपरि रखता है तो वह समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने। आपको बता दें कि भिलाई नगर विधानसभा अंतर्गत वार्ड-42 खुर्सीपार निवासी एक निर्धन परिवार के मासूम बेटे रुद्रांश के लिए वे फरिश्ता बनकर सामने आए और उसके जीवन की रक्षा के लिए दिल्ली में उसकी जटिल 'ओपन हार्ट सर्जरी' संपन्न कराई।

क्या था मामला?

खुर्सीपार निवासी सविता और जयरामदास मानिकपुरी के इकलौते बेटे रुद्रांश (जन्म 1 मार्च 2024) के दिल में जन्म से ही छेद था। इस गंभीर बीमारी के कारण उसके हृदय में रक्त का संचार सही ढंग से नहीं हो पा रहा था। डॉक्टरों के अनुसार रुद्रांश हार्ट में टीजीए, वीएसडी और संकुचित नसों की समस्या से जूझ रहा था, जिसका उपचार छत्तीसगढ़ में संभव नहीं था।

मदद के लिए जब बंद हुए सारे दरवाजे

आर्थिक तंगी से जूझ रहे मानिकपुरी दंपति ने कई जगह गुहार लगाई लेकिन कहीं से ठोस मदद नहीं मिली। अंततः, उन्होंने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन से संपर्क किया। हालांकि यह परिवार उनके विधानसभा क्षेत्र का निवासी नहीं था फिर भी श्री सेन ने रुद्रांश की स्थिति देखते ही उसे अपनी गोद में ले लिया और तत्काल उसके उपचार की पूरी जिम्मेदारी उठाने का संकल्प लिया।

वर्ष 2024 के दिसंबर महीने से क्रमिक उपचार के बाद 19 फरवरी 2026 को दिल्ली के अस्पताल में रुद्रांश की 'ओपन हार्ट सर्जरी' सफलतापूर्वक संपन्न हुई। रुद्रांश तीन दिनों तक वेंटिलेटर पर रहा और आज भी आईसीयू में है, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी स्थिति को स्थिर बताया है। अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद विधायक रिकेश सेन प्रतिदिन दिल्ली में डॉक्टरों और परिजनों से फोन पर संपर्क कर बच्चे के स्वास्थ्य का अपडेट ले रहे हैं। उन्होंने ईश्वर से मासूम रुद्रांश के शीघ्र स्वस्थ होकर घर लौटने की कामना की है।

विधायक ने निभाया 'अभिभावक' का धर्म

विधायक रिकेश सेन ने रुद्रांश की सर्जरी, माता-पिता के दिल्ली आने-जाने और वहां रुकने का पूरा खर्च स्वयं वहन किया। इलाज के दौरान लगभग 18 बार दिल्ली जाना और लंबी काउंसलिंग की प्रक्रिया चली। दिल्ली एम्स तक पहुंचना और दसियों दिन रुकना मानिकपुरी दम्पति के लिए आर्थिक विपन्नता की वजह से कतई संभव नहीं था। विधायक ने एम्स दिल्ली में हर एपाइंटमेंट पर परिजनों के आने-जाने और रुकने की व्यवस्था की तथा लगातार चिकित्सकीय टीम के सम्पर्क में रहे।

विधायक रिकेश सेन द्वारा क्षेत्रवाद की राजनीति से ऊपर उठकर एक मासूम की जान बचाने के इस निःस्वार्थ प्रयास की पूरे भिलाई-दुर्ग क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है। मानिकपुरी परिवार ने श्री सेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें अपने बेटे के लिए 'जीवनदाता' बताया है।

कलेक्टर सफाई ठेका की जांच करे-महापौर शशि सिन्हा

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

नगर पालिक निगम रिसाली की महापौर श्रीमती शशि सिन्हा ने कहा रिसाली का सफाई ठेका दो माह बढ़ाया गया है, लेकिन आयुक्त द्वारा उसे आगामी आदेश तक लिखकर ठेकेदार के कार्य को बढ़ाया दिया जा रहा है। इस मामले को लेकर महापौर ने कलेक्टर को लिखित शिकायत करके जांच की मांग की है।

उन्होंने कहा की वे हर समाज का सम्मान करती है। कभी किसी समाज का अपमान नहीं किया है। मेरे घर काम करने वाले कमर्चारियों ने भी लिखित में दिया है कि वे रासनीति का शिकार हुए है। गलत तरीके से दबाव में गुमराह करके हस्ताक्षर कराया गया है, महापौर के घर में उनके व उनके परिवार के सदस्यों द्वारा कभी भी कोई गलत व्यवहार नही किया जाता है। ठेकेदार के द्वारा हस्ताक्षर करवाया है,सतनामी समाज' से मेरा पुराना नाता है, मैं सतनामी समाज से ही और मीनी माता व बाबा गुरु घासीदास जी के आशीवदि से महापौर बनी।

यह पूरा मामला सफाई ठेका से जुड़ा हुआ है क्योकि पहले सफाई ठेका 8 करोड़ का था, ।उसे आयुक्त और ठेकेदार ने मिलकर निगम को आर्थिक अनियमितता करके 12 करोड़ का कर दिया गया। मैंने इसका विरोध किया था, लगातार विरोध भी कर रही हू। एम आई सी ने सफई ठेकेदार को दो माह का अतिरिक्त समय देने का फैसला किया था। लेकिन आयुक्त ने संकल्प को बदल दिया और आगामी तिथि लिख दिया था इसकी जानकारी के बाद हमने कलेक्टर से शिकायत पर विरोध जताया है, इसी के बदले आरोप की राजनीति की जा रही है।

सशक्त समाज निर्माण में शिक्षा और संगठन की भूमिका अहम : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलौदा बाजार जिले के ग्राम चांपा में आयोजित छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के दो दिवसीय 80वें महाअधिवेशन में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक डॉ. खूबचंद बघेल की पुण्य तिथि पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा समाज की विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का गजमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मनवा कुर्मी समाज को परिश्रमी, संगठित और उन्नत कृषक परंपरा वाला समाज बताते हुए कहा कि समाज का योगदान राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने 80वें महाअधिवेशन की बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मेल-मिलाप, समन्वय और सकारात्मक निर्णयों को बढ़ावा देते हैं, जिसका लाभ पूरे प्रदेश और देश को मिलता है। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा के गृह ग्राम चांपा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा सशक्त समाज निर्माण का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने समाज द्वारा बेटा-बेटी दोनों को शिक्षा से जोड़ने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही आत्मनिर्भर और प्रगतिशील समाज बनता है। उन्होंने महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने, युवाओं में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता और सामाजिक सुधार के प्रयासों को भी सराहनीय बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए गए हैं। इस वर्ष समर्थन मूल्य पर 25 लाख 24 हजार किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदा गया है तथा होली से पूर्व किसानों को लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की अंतर राशि प्रदान की जाएगी। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को अब तक 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में अब विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के संकल्प के अनुरूप मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में सरकार तेज़ी से काम कर रही है। नियद नेल्लार योजना के माध्यम से लगभग 400 गांवों में विकास कार्यों को गति दी गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्राम नरदहा में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपये तथा बलौदा बाजार में सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में पिछले दो वर्षों में उल्लेखनीय विकास हुआ है और किसानों, महिलाओं तथा युवाओं के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की गई हैं। अधिवेशन में समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम वर्मा ने समाज द्वारा लिए गए सामाजिक सुधार के महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी। कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, महिलाएं, युवा और स्वजातीय बंधु उपस्थित थे।

खास खबर

मुख्यमंत्री से राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त हुए अधिकारियों ने की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में राज्य प्रशासनिक सेवा तथा एलाइड सर्विस से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में नियुक्त अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति न केवल गौरव का विषय है, बल्कि यह जनसेवा के व्यापक अवसरों और जिम्मेदारियों का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शासन की लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकारियों की सक्रिय भूमिका से प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त तीर्थराज अग्रवाल, सुश्री लीना कोसम, बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, सुमित अग्रवाल, संदीप कुमार अग्रवाल, आशीष कुमार टिकरिहा, ऋषभ पाराशर एवं तरुण किरण उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि

40.93 करोड़ रुपए स्वीकृत, 29 किमी सड़क उन्नयन से विकास को मिलेगी नई रफ्तार

रायपुर। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी नीति के अनुरूप क्षेत्र में आधारभूत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से जिला सूरजपुर अंतर्गत कल्याणपुर-लटोरी-दतिमा-सलका (मुख्य जिला मार्ग) के विभिन्न खंडों में सड़क सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण कार्य के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

लगभग 29 किलोमीटर लंबाई में प्रस्तावित इस कार्य के लिए 40.93 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह मार्ग क्षेत्र के अनेक ग्रामों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिसके उन्नयन से आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित एवं तीव्र होगा। इससे ग्रामीण अंचलों का जिला मुख्यालय एवं अन्य प्रमुख स्थलों से बेहतर संपर्क स्थापित होगा। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सड़क केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की जीवनरेखा है। सुदृढ़ सड़क संपर्क से किसानों को अपनी उपज समय पर बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी, विद्यार्थियों को शिक्षा संस्थानों तक सुगमता से पहुंच सुनिश्चित होगी तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं तक त्वरित पहुंच संभव हो सकेगी। साथ ही व्यापार, लघु उद्योग एवं स्थानीय रोजगार के अवसरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता एवं समावेशी विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। अधोसंरचना विकास के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से चरणबद्ध रूप से सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना :श्रमिक की बेटी डिंपल संस्कार सिटी स्कूल में संवार रही अपना भविष्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में आई क्रांति अब सुदूर अंचलों के गरीब और श्रमिक परिवारों के आंगन तक पहुँचकर उनके बच्चों के सपनों को हकीकत में बदल रही है। शासन की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के माध्यम से प्रदेश के होनहार विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा दिलाने का संकल्प अब धरातल पर जीवंत होता दिख रहा है। इसी कड़ी में बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिलौरी के एक पंजीकृत श्रमिक नंदकिशोर कश्यप की सुपुत्री डिंपल कश्यप ने अपनी मेधा और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता का अध्याय लिख दिया है। डिंपल का चयन राज्य की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) के आधार पर राजनांदगांव के प्रतिष्ठित संस्कार सिटी स्कूल के लिए हुआ है, जो उनके परिवार के लिए किसी सुखद चमत्कार से कम नहीं है। यहां डिंपल कक्षा छठवीं में अध्ययन कर रही है और बारहवीं तक निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करेगी।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यह है कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने डिंपल की माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की पूरी पढ़ाई का सारा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। इस निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रावधान ने परिवार के सिर से आर्थिक चिंता का बोझ पूरी तरह हटा दिया है, जिससे अब डिंपल की प्रगति की राह में कोई बाधा नहीं आएगी। अपनी बेटी की इस अभूतपूर्व सफलता पर पिता नंदकिशोर कश्यप भावुक स्वर में कहते हैं कि एक श्रमिक के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है। वे दिन-रात कड़ी मेहनत ही इसलिए करते हैं ताकि उनके बच्चों का भविष्य उनके अपने संघर्षपूर्ण जीवन से कहीं बेहतर और सुगम हो सके। आज सरकार की इस कल्याणकारी योजना ने उनके उन धुंधले सपनों को हकीकत के पंख दे दिए हैं।

माता-पिता के रूप में कश्यप दंपति आज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब यह अटूट विश्वास हो चला है कि उनकी बेटी का भविष्य न केवल सुरक्षित है, बल्कि वह अपनी अटूट लगन से सफलता के उस आसमान को भी छू सकेगी जिसका उन्होंने कभी केवल कल्पनाओं में विचार किया था। ग्राम बिलौरी-2 से निकलकर एक प्रतिष्ठित स्कूल तक का डिंपल का यह सफर समाज के उस हर वर्ग के लिए प्रेरणा है, जो संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा को दबाए बैठे हैं। शासन की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि यदि बच्चे में प्रतिभा और आगे बढ़ने की ललक हो, तो सरकार की योजनाएं एक मजबूत सेतु बनकर उन्हें सफलता के उच्चतम शिखर तक पहुँचाने में पूरी मदद करती हैं।

गुरू घासीदास जी के बताए मार्ग पर काम कर रही हमारी सरकार-मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को बाबा गुरु घासीदास जी की जन्मभूमि एवं तपोभूमि गिरौदपुरी धाम में आयोजित संत समागम एवं गुरुदर्शन मेला में शामिल हुए। उन्होंने पूज्य गुरुगद्दी का दर्शन एवं पूजा - अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि के लिये कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा गुरू घासीदास के मनखे- मनखे एक समान का सन्देश, मानव को मानव से जोड़ने वाला और सद्भाव व समरसता बढ़ाने वाला है। बाबा गुरु घासीदास जी के बताए मार्ग पर हमारी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के द्वारा गिरौदपुरी का सतत विकास किया जा रहा है। विशाल जैतखाम निर्माण से लेकर अनेक सुविधाओं का विस्तार यहां किया गया है। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा किये गए जनसुविधा विस्तार कार्य की सराहना की और कहा कि वेबसाईट और मोबाइल एप्प से भी मेले में उपलब्ध सुविधा की जानकारी श्रद्धालु ले सकते हैं। उन्होंने इस दौरान वहां चस्पा किये गए क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन कर जानकारी ली।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर मुख्य मंदिर का प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किया। मुख्यमंत्री के हाथों स्थानीय श्रद्धालु एवं स्व सहायता समूह की महिलाएं प्रसाद ग्रहण कर उत्साहित हुए। गौरतलब है कि गिरौदपुरी में तीन दिवसीय संत समागम एवं गुरू दर्शन मेला 24 फरवरी 2026 तक चलेगा। प्रदेश सहित देश एवं विदेश से भी सतनाम पंथ के अनुयायी यहां मेले में आए हुए हैं। इस अवसर पर धमगुँरु गुरु बालदास साहेब, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, राजिम विधायक रोहित साहु, जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर नवीन अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक सुश्री भावना गुप्ता,डीएफओ गणवीर धम्मशील, पूर्व सांसद गुहा राम अजगले, पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि वरिष्ठ अधिकारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की पहल 'देखो अपना देश' से जागा युवाओं में उत्साह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय इंडिया टूरिज्म, मुंबई द्वारा स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, रायपुर (एसआईएचएम) के सहयोग से 'देखो अपना देश' ब्रोशर निर्माण प्रतियोगिता, पुरस्कार वितरण समारोह एवं पर्यटन शिक्षा प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में भारत के विविध पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पर्यटन एवं आतिथ्य के क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों से उन्हें परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंद्र कुमार साहू, विधायक अभनपुर तथा पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक मोहम्मद फारूक मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त पश्चिम एवं मध्य क्षेत्रीय कार्यालय के प्रतिनिधि, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की डीजीएम सुश्री पूनम शर्मा, आईएचएम रायपुर के वरिष्ठ लेखा अधिकारी समीर मिश्रा तथा संस्थान के प्राचार्य विवेक आचार्य के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

राज्य और राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को मिला सम्मान: समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के विजेताओं को नकद पुरस्कार (चेक), पदक, किट एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यभर से लगभग 300 छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, दुधली के छात्रों ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार हासिल कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया।

पर्यटन शिक्षा प्रदर्शनी में करियर अवसरों की जानकारी: कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग में उपलब्ध विविध और बढ़ते करियर अवसरों पर विशेष प्रस्तुति दी गई। छात्रों एवं शिक्षकों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिससे सहभागिता और ज्ञानवर्धन को बढ़ावा मिला। प्रदर्शनी में होटल उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया था। प्रतिभागियों को एसआईएचएम रायपुर परिसर का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा। छात्रों ने रिसेप्शन प्रबंधन, खाद्य एवं बेकरी निर्माण, फ्रूट एवं वेजिटेबल कार्विंग, फ्लावर डेकोरेशन, टॉवेल आर्ट तथा मॉकटेल निर्माण जैसी व्यावहारिक गतिविधियों का प्रदर्शन देखा और आतिथ्य उद्योग की बारीकियों को समझा।

युवाओं में पर्यटन जागरूकता की सशक्त पहल: देखो अपना देश पहल के माध्यम से छात्रों में भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के प्रति रुचि और गर्व की भावना विकसित हुई है। यह आयोजन न केवल रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करता है, बल्कि युवाओं को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं से भी जोड़ता है। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की देखो अपना देश पहल वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जिसका उद्देश्य देशवासियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों, प्राकृतिक सौंदर्य और विविध परंपराओं से परिचित कराना तथा घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना है।

इस पहल के माध्यम से नागरिकों को अपने ही देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है, ताकि वे भारत की अद्भुत विविधता को निकट से जान सकें और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में योगदान दे सकें।

छत्तीसगढ़ का शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय अद्वितीय, देश के प्रत्येक व्यक्ति को जनजातीय इतिहास को जानना चाहिए: न्यायमूर्ति सूर्यकांत

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने नवा रायपुर में बने देश का पहला डिजिटल संग्रहालय का किया अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राजधानी नवा रायपुर के आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में बने देश के पहले डिजिटल संग्रहालय का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का यह जनजातीय संग्रहालय अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को जनजातीय इतिहास और संस्कृति से वाकिफ होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आंदोलनों और शौर्य गाथाओं पर संग्रहालय में बने प्रत्येक गैलरी को निकट से देखा। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में जनजातीय आंदोलनों की स्मृतियां लोगों को शोषण एवं अन्याय के खिलाफ एक जुट होने और उसका प्रतिकार करने के लिए प्रेरित करेंगी।

आदिमजाति विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा ने जनजातीय संग्रहालय पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस पी.एस.नरसिम्हा, जस्टिस प्रशांत कुमार और हाईकोर्ट बिलासपुर के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, राजस्थान के चीफ जस्टिस कल्पेश राजेंद्र श्रीराम सहित अन्य न्यायाधीश गण का बीरनमाला से आत्मीय स्वागत करने के साथ ही उन्हें स्मृति स्वरूप जनजातीय जीवन पर आधारित भित्ती चित्र भेंट किया।

श्री बोरा ने जनजातीय संग्रहालय के अवलोकन के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत सहित अन्य न्यायधीश गणों को जनजातीय विद्रोहों की पृष्ठभूमि और जनजातीय नायकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री बोरा ने संग्रहालय के अलग-अलग गैलरियों में प्रदर्शित विद्रोहों को साल, साजा और महुआ के प्रतिकात्मक वृक्ष के पत्तों के जरिये समझाने का प्रयास किया गया है। संग्रहालय में बने यह वृक्ष उसी तरह से है जिस तरह से मोशन फिल्मों में एक वृद्ध व्यक्ति फिल्म की कहानी बताते है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने जनजातीय संग्रहालय में प्रदर्शित भूमकाल विद्रोह के बारे में जानकार काफी प्रभावित हुए। यह विद्रोह बस्तर क्षेत्र के चित्रकोट के आस-पास वर्ष 1910 में हुआ था। यह विद्रोह 20 वर्षीय जननायक गुंडाधुर के नेतृत्व में, औपनिवेशिक वन नीतियों, जमींदारों के शोषण और बाहरी हस्तक्षेप के विरूद्ध था, जिसमें आदिवासियों ने पारंपरिक हथियारों से अंग्रेजों के खिलाफ किया था। चीफ जस्टिस ने संग्रहालय में शहीद वीर नारायण सिंह की तलवार सहित अन्य जनजातीय नायकों द्वारा विद्रोह के दौरान उपयोग में लाए गए अस्त्र-शस्त्र का भी अवलोकन किया। चीफ जस्टिस ने गैलरी में स्थापित मां दंतेश्वरी का प्रतिकात्मक डिजिटल मंदिर से काफी प्रभावित हुए उन्होंने दो बार घंटी बजाकर मां दंतेश्वरी के दर्शन किया। उन्होंने आगामी समय बस्तर (दंतेवाड़ा) जाकर मां दंतेश्वरी की साक्षात दर्शन करने की इच्छा जाहिर की।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्योत्सव रजत जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 1 नवंबर 2025 को इस भव्य डिजिटल संग्रहालय को लोगों को समर्पित किया था। तब से आगुन्तकों के लिए यह संग्रहालय आर्कषण एवं उत्साह का केंद्र बना हुआ है। जनसमुदाय में इस संग्रहालय के प्रति आकर्षण और लोकप्रियता को देखते हुए इसके द्वितीय चरण के विस्तार की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

गौरतलब है कि आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणी के मार्गदर्शन में जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं पर आधारित म्यूजियम तथा सहित वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी म्यूजियम का निर्माण तेजी के साथ पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर निर्माण से उद्घाटन तक विभाग के अधिकारी-कर्मचारी श्री बोरा के नेतृत्व में बारीकी से एक-एक पहलुओं को परखा तब जाकर संग्रहालय का बुनियाद बनकर तैयार हुआ है। संग्रहालय का धरातल में आने से नई पीढ़ियों को अपने पुरखों की वीरता और साहस का याद दिलाता रहेगा। यह न केवल जनजातीय वर्गों के बल्कि सभी लोगों के प्रेरणापद है।

सीएम साय के जन्मदिवस पर पादप बोर्ड ने 2100 औषधीय पौधों का किया वितरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्थानीय आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिवस के अवसर पर उनके गृह ग्राम बगिया में 2100 औषधीय पौधों का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण एवं पारंपरिक औषधीय ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को औषधीय पौधों के महत्व, उनके संरक्षण तथा घरेलू उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि यह पहल राज्य सरकार की पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक आदिवासी स्वास्थ्य पद्धतियों को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप है।

उल्लेखनीय है कि वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार और छत्तीसगढ़ स्थानीय आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम के मार्गदर्शन में औषधीय पौधों का वितरण कर लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया गया। इससे एक ओर हरित आवरण बढ़ेगा, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। साथ ही उनके नेतृत्व में प्रदेश के सतत विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने का विश्वास व्यक्त किया गया।

संपादकीय

अधिकारी जांच करने गए तो जांच करते, मारपीट क्यों की...

कोई भी अधिकारी हो, उसका कुछ अधिकार पद के कारण होता है। उसे मालूम होना चाहिए कि उसका अधिकार क्या है। वह अपने अधिकार के अनुसार क्या कर सकता है और क्या नहीं कर सकता है। किसी भी अधिकारी को कहीं कुछ गलत होने की जानकारी मिलती है तो उसका अधिकार है कि वह मौके पर जांच कर सकता है, मौजूद लोगों से पूछताछ कर सकता है। लोगों से घटना के बारे में सवाल करना किसी भी तरह से गलत नहीं है, लेकिन घटना के बारे में सवाल करते हुए किसी के साथ भी मारपीट करना तो जांच के दायरे में नहीं आता है। कोई भी अधिकारी किसी मामले की जांच के लिए गया है, उसे जांच तक सीमित रहना चाहिए क्योंकि यह उसका अधिकार है। जांच के नाम पर किसी के साथ वह मारपीट करता है तो यह गलत है और ऐसे मामले में अधिकारी के खिलाफ सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

बलरामपुर जिले के कुसमी हंसपुर पंचायत में रविवार की रात अवैध बाक्साइट खनन की शिकायत एसडीएम करुण कुमार डहरिया को मिली तो वह जांच के लिए मौके पर पहुंचे। इसमें कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि किसी भी अधिकारी को कहीं से कुछ गलत होने की जानकारी मिलती है तो वह जांच करने के लिए जाते ही है। जांच के लिए गए तो लोगों से पूछताछ करना भी जरूरी होता है लेकिन पूछताछ के नाम पर उन्होंने जिन लोगों से क्रूरता से मारपीट की यह उनके अधिकार में नहीं आता है। कोई भी अधिकारी चाहे वह कितना भी बड़े पद पर क्यों न हो उसे जांच के नाम पर किसी के साथ भी मारपीट करने का अधिकार नहीं है और इस तरह की मारपीट कोई अधिकारी कर कैसे सकता है कि एक की मौत हो जाए और दूसरों को अस्पताल में भर्ती करना पड़े।

एसडीएम को जाना था तो सरकारी अमले के साथ जाना था, वह अपने दोस्तों के साथ क्यों गए थे, ग्रामीणों का कहना है कि अवैध खनन करने वाले तो भाग गए थे, अधिकारी ने अवैध खनन का गुस्सा आम लोगों पर निकाला तो बवाल तो होना था। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध खनन होता है और अवैध खनन के नाम वसूली भी होती है। किसी भी अधिकारी को अवैध खनन की शिकायत मिलती है तो वह अवैध वसूली भी करता है। यहां सवाल यह उठता है कि क्या अधिकार अवैध वसूली के गए थे, दोस्तों के साथ जाने का तो यह मतलब भी निकाला जा सकता है कि वह गए तो वसूली के लिए थे लेकिन जिनसे वसूली होती वह मिले नही, ग्रामीण मिले तो सारा गुस्सा ग्रामीणों पर निकाल दिया। एसडीएम के के बारे में बताया है कि वह पहले रिश्वत लेते हुए भी पकड़े गए हैं।

प्रशासन ने यह अच्छा किया है कि मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, घटनास्थल के निरीक्षण, पंचनामा व पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आधार पर ग्रामीणों से मारपीट करने का मामला दर्ज किया। एसडीएण करुण कुमार डहरिया, विक्की सिंह उर्फ अजय प्रताप सिंह, मंजीत कुमार यादव, सुदीप यादव के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनको गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार चार लोगों में अजय प्रताप सिंह के बारे में कहा जा रहा है कि वह भाजपा नेता है तो ऐसे लोगों को तुरंत पार्टी से बाहर करना चाहिए। क्योंकि ऐसे लोग ही भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलकर गलत काम करते हैं और बदनाम पार्टी व सरकार होती है। सरकार सुशासन का नारा देती है तो ऐसी घटना होने पर सरकार के सुशासन के दावे पर सवालिया निशान लग जाता है।

विपक्ष तो ऐसे मामले होने की ताक में रहता है जब भी ऐसा कोई मामला होता है तो वह अपनी राजनीति शुरू कर देता है। इधर घटना हुई उधर पूर्व सीएम भूपेश बघेल का बयान आ गया कि यह तो प्रशासनिक आतंकवाद है। ग्रामीणों ने कुछ दिन पहले अवैध रूप से बाक्साइट काम में लगे ट्रक को पकड़ा था जिसका परिणाम ग्रामीण को जान गंवाकर चुकाना पड़ा है। यह आरोप लगाने का भी मौका मिल गया कि पूरी की पूरी भाजपा सरकार और उसके अधिकारी आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हैं और भ्रष्ट लोगों को पोषण दे रहे है। यह अच्छी बात है कि इस मामले में सरकार ने त्वरित कार्रवाई की और चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में सरकार को सख्ती से काम लेना चाहिए ताकि फिर कोई पार्टी का नेता या कोई अधिकारी इस तरह की हरकत करने की हिम्मत न करे।

भिलाई की अस्मिता और गौरव का शंखनाद है 'भिलाई ज़िंदाबाद'

डॉ. सुधीर शर्मा, अध्यक्ष, हिंदी एवं पत्रकारिता विभाग, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई छत्तीसगढ़

भारत के औद्योगिक इतिहास में कुछ शहर केवल नक्शे पर दर्ज नाम नहीं होते, वे अपने भीतर एक युग की स्मृतियाँ, संघर्ष और सपने सँजोए रहते हैं। छत्तीसगढ़ की धरती पर बसा भिलाई ऐसा ही शहर है, जिसकी पहचान केवल एक औद्योगिक नगर के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण की जीवंत प्रयोगशाला के रूप में रही है। यहाँ की मिट्टी में श्रम की गंध है, यहाँ की सड़कों पर इतिहास के पदचिह्न हैं और यहाँ की हवा में उस दौर की प्रतिध्वनि सुनाई देती है जब राष्ट्र निर्माण एक सामूहिक संकल्प हुआ करता था।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने जिस समाजवादी और मिश्रित अर्थव्यवस्था के मॉडल को अपनाया, उसमें भारी उद्योगों को राष्ट्र की रीढ़ माना गया। इसी सोच के केंद्र में रहा भिलाई इस्पात संयंत्र, जिसकी स्थापना केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं थी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की आकांक्षा का प्रतीक थी। 1950 के दशक में जब देश योजनाबद्ध विकास की राह पर अग्रसर हुआ, तब भिलाई का नाम राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उभरने लगा। यह वह समय था जब देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भारी उद्योगों को आधुनिक भारत के ह्यनए मंदिरह्व कहा करते थे। भिलाई उन्हीं मंदिरों में से एक बना, जहाँ मशीनों की गड़गड़ाहट के साथ भविष्य की रूपरेखा गढ़ी जा रही थी।

भिलाई की स्थापना की कहानी केवल सरकारी फाइलों या योजनाओं में सीमित नहीं है। यह उन गाँवों की कहानी भी है जिनकी जमीन अधिग्रहित हुई, उन परिवारों की कहानी है जिन्होंने अपनी पुरानी दुनिया छोड़कर नई बस्तियों में जीवन बसाया। कोटराभाठा, सोंठभाठा, बोरिया, हिंगना और मरौदा जैसे गाँवों की स्मृतियाँ आज भी बुजुर्गों की बातचीत में जीवित हैं। खेतों की हरियाली के स्थान पर जब सेक्टरों की व्यवस्थित रेखाएँ खिंचीं, तब एक ग्रामीण भूगोल शहरी परिदृश्य में बदल गया। यह परिवर्तन सहज नहीं था, परंतु समय की धारा में वह अपरिहार्य बन गया।

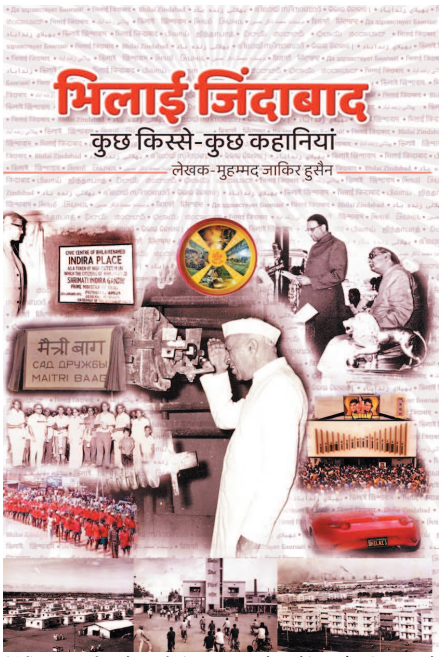

भिलाई का एक विशेष पक्ष उसकी बहुसांस्कृतिक संरचना है। देश के कोने-कोने से आए इंजीनियर, तकनीशियन और श्रमिक यहाँ एक साथ बसे। बंगाल, पंजाब, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और दक्षिण भारत से आए लोगों ने अपनी-अपनी भाषाएँ, खान-पान और त्योहार साथ लाए। इस विविधता ने भिलाई को केवल औद्योगिक नगर नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संगम बना दिया। दुर्गा पूजा से लेकर गणेशोत्सव और छत्तीसगढ़ी लोकपर्वों तक, यहाँ उत्सवों की एक साझा परंपरा विकसित हुई। इस मेलजोल ने एक ऐसी नागरिक संस्कृति को जन्म दिया, जिसमें स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों रंग समाहित हैं।

समय के साथ भिलाई ने केवल विकास ही नहीं, संकट भी देखे। औद्योगिक दुर्घटनाएँ, श्रमिक आंदोलन, बिजली और कोयले के संकट, आर्थिक उदारीकरण के बाद की चुनौतियाँ—इन सबने इस नगर को झकझोरा। 1990 के दशक में जब देश ने उदारीकरण की नीति अपनाई, तब सार्वजनिक उपक्रमों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगने लगे। निजीकरण और आउटसोर्सिंग की प्रक्रियाओं ने पुराने ढाँचे को चुनौती दी। भिलाई भी इससे अछूता नहीं रहा। उत्पादन के नए मानदंड, तकनीकी आधुनिकीकरण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा ने इस इस्पात नगरी को आत्ममंथन के लिए विवश किया।

फिर भी, यह उल्लेखनीय है कि भिलाई ने हर संकट के बाद स्वयं को पुनर्गठित किया। यहाँ की श्रमिक चेतना और प्रबंधन की सामूहिक समझ ने कई बार संभावित ठहराव को नई गति में बदला। इस्पात की तरह ही इस शहर की आत्मा भी तपकर मजबूत हुई। भिलाई की पहचान केवल उत्पादन के आँकड़ों से नहीं, बल्कि उस मानवीय रिश्ते से है जो यहाँ के लोगों को जोड़ता है। सेक्टरों की योजनाबद्ध बस्तियाँ, स्कूल, अस्पताल, पार्क और सांस्कृतिक भवन—ये सब उस कल्याणकारी सोच के प्रतीक हैं, जिसने इस नगर को आकार दिया।

आज जब डिजिटल युग में सूचना और संचार के साधन बदल रहे हैं, तब भी भिलाई का इतिहास हमें यह सिखाता है कि विकास केवल तकनीकी उन्नति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों की निरंतरता भी है। यहाँ की पीढ़ियाँ बदल रही हैं; पुराने श्रमिकों की जगह नई तकनीकी दक्षता वाले युवा ले रहे हैं। फिर भी, शहर की स्मृतियों में वह दौर जीवित है जब इस्पात संयंत्र के सायरन के साथ दिन की शुरुआत होती थी और शाम को श्रमिक कॉलोनियों में जीवन की चहल-पहल गूँजती थी।

भिलाई की कहानी हमें यह भी याद दिलाती है कि औद्योगिक नगर केवल आर्थिक इकाइयाँ नहीं होते, वे सामाजिक और सांस्कृतिक प्रयोगशालाएँ भी होते हैं। यहाँ श्रम और सपनों का संगम हुआ, यहाँ संघर्ष और सहयोग का संतुलन बना। यह शहर आज भी अपने अतीत के गौरव और वर्तमान की चुनौतियों के बीच संतुलन साधते हुए आगे बढ़ रहा है।

समय के बदलते परिदृश्य में जब सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका पर बहस जारी है, तब भिलाई एक जीवंत उदाहरण की तरह सामने खड़ा है। यह शहर हमें बताता है कि यदि दूरदृष्टि, सामाजिक प्रतिबद्धता और तकनीकी नवाचार साथ हों, तो कोई भी औद्योगिक परियोजना केवल कारखाना नहीं रहती, वह समाज का धड़कता हुआ हृदय बन जाती है।

भिलाई की गाथा दरअसल उस भारत की गाथा है जिसने कठिनाइयों के बीच अपने लिए रास्ता बनाया। यह उस विश्वास की कहानी है कि विकास केवल मशीनों से नहीं, मनुष्यों से होता है। इस फौलादी नगर की आत्मा में आज भी वही उम्मीद धड़कती है—कि समय चाहे जैसा भी हो, श्रम, साहस और सामूहिकता की शक्ति से भविष्य गढ़ा जा सकता है।

प्रस्तुत पुस्तक "भिलाई ज़िंदाबाद, कुछ किस्से-कुछ कहानियां" के लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने भिलाई को जीया है, बचपन से लेकर अपनी जवानी की सांसें भिलाई को दी हैं। वे एक रचनात्मक और सकारात्मक पत्रकारिता तथा लेखन के सच्चे श्रमिक हैं। अपने अनुभव और भिलाई को ढालने वाले अनेक विभूतियों से सुनकर तथा समझकर उन्होंने यह पुस्तक लिखी है। बीते बीस-तीस बरस के देखे-सुने किस्सों का यह संग्रह है। 'भिलाई ज़िंदाबाद' सही मायनों में भिलाई की अस्मिता और गौरव का शंखनाद है। लेखक को इसके लिए साधुवाद है। ये किस्से आनेवाली पीढ़ी के लिए इतिहास से लेकर वर्तमान की गाथा है। भविष्य के सपनों को पूरा करने का मंत्र है। बधाई जाकिर और धन्यवाद उन किस्सागोई व्यक्तित्वों का जो इसके गवाह हैं।

भारत-फ्रांस संबंध 'स्पेशल ग्लोबल पार्टनरशिप' तक पहुंचे

भारत-फ्रांस संबंध 'स्पेशल ग्लोबल पार्टनरशिप भारत और फ्रांस के बीच रिश्तों को स्पेशल ग्लोबल पार्टनरशिप तक बढ़ाना कोई हैरानी की बात नहीं होनी चाहिए। प्रेसिडेंट मैक्रों के हाल ही में भारत दौरे के दौरान नई दिल्ली में हुए अक समिट के दौरान इस ऐलान का मतलब है कि इस रिश्ते को एक लॉन्ग-टर्म पार्टनरशिप के तौर पर देखा जाना चाहिए।

यह बात भारत और फ्रांस के बीच 20 साइन किए गए एग्रीमेंट्स के सामने आने से साफ हो गई, जो कई सेक्टर्स में फैले हुए थे, लेकिन इतिहास का भी ध्यान रखते थे। 1998 में, भारत के न्यूक्लियर टेस्ट के बाद, फ्रांस ने न सिर्फ भारत पर बैन नहीं लगाए, बल्कि नई दिल्ली के साथ एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप भी साइन की। तब से सभी एरिया में, खासकर डिफेंस सेक्टर में रिश्ते मजबूत हुए हैं। आज, नई दिल्ली ने 3.25 लाख करोड़ रुपये की डील में 114 राफेल जेट खरीदने को मंजूरी दे दी है, जिससे अगर यह डील आखिरकार हो जाती है, तो यह सभी डिफेंस डील्स में सबसे बड़ी होगी।

जहां डिफेंस सबसे खास है, वहीं दूसरे एरिया में न्यूक्लियर एनर्जी और जरूरी मिनरल्स सेक्टर भी शामिल हैं। भारत में न्यूक्लियर एनर्जी अभी भी शुरुआती दौर में है, और देश की 79% से ज़्यादा एनर्जी सप्लाई कोयले से होती है। भारत कई वजहों से इसकी तरफ बढ़ रहा है, जिसमें क्लीन एनर्जी और जियोपॉलिटिकली अस्थिर माहौल में तेल और कोयले पर निर्भरता कम करना शामिल है। इस फील्ड में अपने अनुभव को देखते हुए फ्रांस यहां लीड रोल निभा सकता है। सिक्योरिटी की बात करें तो, भारत और फ्रांस के हित एक जैसे हैं। फ्रांस का हिंद महासागर क्षेत्र में हित है, जिसमें रीयूनियन आइलैंड, मायोट और दूसरे आइलैंड पर उसका कंट्रोल है और वआए और जिबूती दोनों में उसके इंटर-सर्विस बेस हैं।

दोनों देश होर्मुज स्ट्रेट, मलक्का स्ट्रेट और हॉर्न ऑफ अफ्रीका के आसपास पाइरेसी जैसे खास स्ट्रेटेजिक चोकपॉइंट्स के आसपास कम्युनिकेशन के साफ समुद्री रास्ते पक्का करने में गहरी दिलचस्पी रखते हैं। इससे पश्चिमी हिंद महासागर में वआए के साथ एक ट्राइलेटरल बातचीत का रास्ता साफ हुआ है। इस इलाके में बहुत सारे नेचुरल रिसोर्स और जरूरी समुद्री रुकावटें हैं, जैसे अदन की खाड़ी, मोजाम्बिक चैनल, बाब-अल-मंडेब स्ट्रेट और होर्मुज स्ट्रेट। भारत को वहां मौजूदगी की जरूरत है, और इसका नैचुरल पार्टनर फ्रांस है, जिसका 93% एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन इंडो-पैसिफिक इलाके में है, और वआए की हॉर्न और ईस्ट अफ्रीका में स्ट्रिंग ऑफ पोर्ट्स स्ट्रैटेजी है। वआए में फ्रांस की मिलिट्री मौजूदगी है, और उसकी मौजूदगी भारत के लिए जरूरी है, क्योंकि इससे उसे रीयूनियन तक एक्सेस मिलता है, जो जरूरी मेडागास्कर चैनल तक एक्सेस देता है। बदले में, भारत की पूर्वी हिंद महासागर में बड़ी नेवल मौजूदगी है, जहां फ्रांस की मौजूदगी नहीं है। भारत और फ्रांस के हित मिलते-जुलते हैं। फ्रांस की स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी, साथी पश्चिमी ताकतों का साथ देने में उसकी हिचकिचाहट, और जून 2018 में पाकिस्तान को FATF ग्रे लिस्ट में डालने में भारत का सपोर्ट, उसे जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता से भरी दुनिया में नई दिल्ली के लिए एक भरोसेमंद ताकत बनाता है।

समझौते की घोषणा किसी को पता नहीं

हरिशंकर व्यास

लाख टके का सवाल है आज अमेरिका के साथ जिस व्यापार संधि की बात है उसका असल कौन जानता है? क्या कैबिनेट में विचार हुआ? मंत्रियों के समूह, सचिवों के समूह में विचार हुआ? सवाल यह भी है कि अकेले अमेरिका के राष्ट्रपति ने समझौते की घोषणा क्यों की? क्यों फिर एक घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का आभार जताया, पुष्टि की? साझा घोषणा क्यों नहीं हुई? याद करें इसी तरह ट्रंप ने एकतरफा तरीके से 10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उसके आधे घंटे के बाद भारत की ओर से एक मिनट से भी कम की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें सीजफायर की पुष्टि की गई थी। इसी तरह ट्रंप ने ही ऐलान किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और यह भी ऐलान किया कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा।

सवाल है जब साझा बयान तैयार नहीं है, समझौते की बातचीत पूरी तरह से फाइनल नहीं हुई है और तत्काल कोई प्रावधान लागू नहीं हो रहा था तो सोमवार, दो फरवरी की देर रात को इसकी घोषणा की क्या जरुरत थी?

ध्यान रहे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगले चार पांच दिन में साझा बयान तैयार हो जाएगा और उसकी घोषणा हो जाएगी। इसके बाद एक हफ्ते में भारत पर लगा टैरिफ कम होगा और मार्च के मध्य में 'पहला ट्रांचइ यानी समझौते के पहले हिस्से की घोषणा होगी। ऐसे में क्या यह उचित नहीं होता कि जब साझा बयान तैयार हो जाए तभी एक साथ उसकी घोषणा होती? पीयूष गोयल ने कहा है कि साझा बयान पर दस्तखत वर्चुअल तरीके से हो सकता है। जब ऐसा ही होना है तब तो यह और भी अच्छी स्थिति थी कि इंतजार किया जाता और एक साथ समझौते की घोषणा होती!

लेकिन आनन फानन में दो फरवरी की रात को सवा नौ बजे के करीब भारत में अमेरिकी राजदूत सजियी गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात हुई है। उन्होंने लोगों को जुड़े रहने को भी कहा। इसके थोड़ी देर के बाद रात 10 बजे के करीब राष्ट्रपति ट्रंप ने टूथ सोशल पर लंबी पोस्ट लिख कर कहा कि भारत के साथ समझौता हो गया। इसके एक घंटे बाद रात 11 बज कर दो मिनट पर प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी पुष्टि की। ध्यान रहे सोमवार को दिन में राहुल गांधी संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब का अंश लेकर संसद में पहुंचे थे और अपने भाषण में इसे उठाने का प्रयास किया था।

हालांकि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन सबको पता चल गया कि 31 अगस्त 2020 की रात को क्या हुआ था। कैसे भारत के राजनीतिक नेतृत्व ने सेना और सेना प्रमुख को उनके हाल पर छोड़ दिया था। उसी दिन रात में समझौते की खबर आई। लेकिन राहुल गांधी पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। वे अगले दिन किताब लेकर संसद में पहुंचे और यह भी कहा कि 'प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हैं। राहुल ने कहा कि अमेरिका ने एपस्टीन फाइल्स की बहुत सी बातें अभी सार्वजनिक नहीं कीं। उनके मुताबिक एपस्टीन फाइल्स और अडानी के ऊपर मुकदमे की वजह से प्रधानमंत्री दबाव में हैं और इस वजह से समझौता हुआ है।

पता नहीं हकीकत क्या है लेकिन सरकार की हड़बड़ी और टाइमिंग पर निश्चित रूप से सवाल खड़े होते हैं। हड़बड़ी की बात इसलिए है क्योंकि समझौते की घोषणा के चार दिन बाद तक किसी को पता नहीं है कि इसमें क्या है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में भी बता दिया है कि समझौता हो गया है और इसमें किसानों, पशुपालकों सहित देश के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखा गया है। किसी के हित से समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका के दौर पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उनको समझौते के बारे में खास जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में वाणिज्य मंत्री जान रहे होंगे। हालांकि उनके अमेरिका दौरे पर व्यापार समझौते से जोड़ कर ही देखा जा रहा है।

समझौते के अगले दिन से भारत की मीडिया में यह खबर चलती रही कि जयशंकर अमेरिका गए हैं, जहां वे अमेरिकी विदेश मंत्री माकी रूबियो से समझौते को लेकर बातचीत करेंगे। हालांकि समझौते की बातचीत में विदेश मंत्री शामिल नहीं थे इसलिए यह कहना पूरी तरह से सही नहीं था कि वे व्यापार संधि के बारे में बात करेंगे। फिर भी मीडिया में खबर चलती रही और सरकार की ओर से किसी ने इस पर पक्ष नहीं रखा। तभी लोगों ने इस पर यकीन किया।

सीबीएसई कक्षा दसवीं की संस्कृत परीक्षा: सावधानी, रणनीति और सफलता

डॉ. अजय आर्य, शिक्षक व मोटिवेशनल स्पीकर

यह लेख केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा दसवीं की संस्कृत विषय की परीक्षाओं के संबंध में विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए मार्गदर्शन स्वरूप प्रस्तुत किया जा रहा है। इस वर्ष परीक्षा-सारिणी के अनुसार 27 फरवरी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परीक्षा आयोजित की जाएगी और उसके ठीक अगले दिन 28 फरवरी को संस्कृत विषय की परीक्षा निर्धारित है। संस्कृत परीक्षा से पूर्व कोई अतिरिक्त गैप न होने के कारण विद्यार्थियों को विशेष सावधानी और संतुलित रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। सामान्यत: विद्यार्थी जिस विषय की परीक्षा निकट होती है उसी पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं और अन्य विषयों की तैयारी को गैप के दिनों के लिए छोड़ देते हैं, किंतु इस बार ऐसी सोच संस्कृत के संदर्भ में उपयुक्त नहीं होगी। यदि छात्र केवल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तैयारी में लगे रहें और यह मान लें कि संस्कृत की तैयारी बाद में कर लेंगे, तो न केवल पुनरावृत्ति का समय कम पड़ सकता है बल्कि आत्मविश्वास भी प्रभावित हो सकता है, इसलिए प्रारंभ से ही दोनों विषयों की तैयारी समानांतर रूप से करना आवश्यक है।

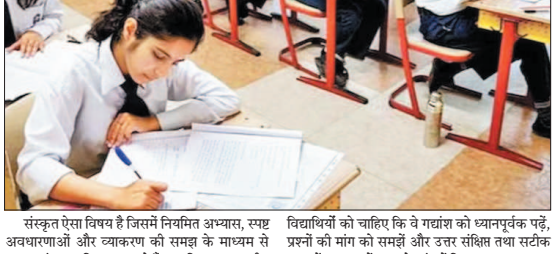

संस्कृत ऐसा विषय है जिसमें नियमित अभ्यास, स्पष्ट अवधारणाओं और व्याकरण की समझ के माध्यम से उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए जा सकते हैं। यह विषय सरल प्रतीत अवश्य होता है, परंतु यदि शब्द-रचना, विभक्ति, लिंग, वचन और वाक्य-संरचना में स्पष्टता न हो तो अंक कटना स्वाभाविक है। संस्कृत का प्रश्नपत्र चार खंडों— अपठित बोध, रचनात्मक कार्य, अनुप्रयुक्त व्याकरण और पठित बोध में विभाजित होता है और प्रत्येक खंड संतुलित तैयारी की अपेक्षा करता है। किसी एक खंड की उपेक्षा समग्र परिणाम को प्रभावित कर सकती है, इसलिए समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है।

अपठित और पठित बोध की तैयारी

अपठित बोध और पठित बोध की तैयारी के लिए पाठ्यपुस्तक का गंभीर अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें, प्रश्नों की मांग को समझें और उत्तर संक्षिप्त तथा सटीक भाषा में प्रस्तुत करें। पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास प्रश्न परीक्षा की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी होते हैं, अतः उनका नियमित अभ्यास आत्मविश्वास को बढ़ाता है और भाषा-बोध को सुदृढ़ करता है।

रचनात्मक खंड : अभ्यास से सफलता

रचनात्मक खंड में पत्र लेखन, संवाद लेखन तथा वाक्य निर्माण जैसे प्रश्न विद्यार्थियों की भाषिक दक्षता को परखते हैं। यदि शब्द-रचना का नियमित अभ्यास किया जाए और सही विभक्ति, लिंग तथा वचन का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए तो इस खंड में पूर्ण अंक प्राप्त करना संभव है। सरल, स्पष्ट और व्याकरण-सम्मत वाक्य अधिक प्रभावी होते हैं, इसलिए अनावश्यक जटिलता से बचना चाहिए।

अनुप्रयुक्त व्याकरण की महत्ता

अनुप्रयुक्त व्याकरण खंड में सफलता का मूल मंत्र निरंतर अभ्यास है। संधि, समास, कारक, धातुरूप और शब्दरूप जैसे विषयों का नियमित अध्ययन आवश्यक है। पाठ्यपुस्तक में दिए गए अभ्यासों को बार-बार हल करने से व्याकरण संबंधी त्रुटियाँ कम होती हैं और लेखन में शुद्धता आती है।

समय प्रबंधन और संयुक्त तैयारी

चूँकि 27 फरवरी और 28 फरवरी की परीक्षाओं के बीच कोई अवकाश नहीं है, इसलिए समय प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे प्रतिदिन दोनों विषयों के लिए समय निर्धारित करें और अंतिम दिनों को केवल पुनरावृत्ति के लिए सुरक्षित रखें। मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और स्वयं का मूल्यांकन परीक्षा-भय को कम करने में सहायक सिद्ध होता है।

दिनचर्या और अभिभावकों की भूमिका

परीक्षा की तैयारी के साथ संतुलित दिनचर्या बनाए रखना भी आवश्यक है। पर्याप्त नींद, हल्का व्यायाम या सैर, सीमित मनोरंजन और सकारात्मक सोच मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें, बल्कि उन्हें प्रोत्साहित करें और सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करें। मानसिक समर्थन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा देता है।

स्पष्ट लक्ष्य, सुनियोजित रणनीति, नियमित अभ्यास और संतुलित दिनचर्या के साथ केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा दसवीं की संस्कृत परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करना पूर्णतः संभव है। सावधानीपूर्वक और समर्पित तैयारी विद्यार्थियों को न केवल अच्छे अंक दिलाती है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और भाषा के प्रति सम्मान की भावना भी विकसित करती है।

पर्यावरण संरक्षण : डोंगरगढ़ मंदिर परिसर सहित धार्मिक स्थलों में सिंगल यूज प्लास्टिक होगा प्रतिबंधित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संस्कारधानी राजनांदगांव को प्रदूषण मुक्त और हरित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर जितेन्द्र यादव और जिला पंचायत CEO सुश्री सुरुचि सिंह से सौजन्य मुलाकात कर धार्मिक स्थलों को प्लास्टिक मुक्त करने का प्रस्ताव सौंपा, जिस पर प्रशासन ने सकारात्मक आश्वासन दिया है।

कलेक्टर ने किया पहल का स्वागत

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के विभाग संयोजक मनोहर चंदेल एवं जिला संयोजक मयंक कृष्णा शर्मा के नेतृत्व में सौंपे गए अनुरोध पत्र में माँ बमलेश्वरी मंदिर परिसर (डोंगरगढ़) सहित जिले के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। इस पहल की सराहना करते हुए कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहाः "पर्यावरण संरक्षण के लिए यह एक सराहनीय पहल है। राजनांदगांव की

गरिमा के अनुरूप हम जिले में जन-जागरूकता अभियान चलाएंगे ताकि लोग सिंगल यूज प्लास्टिक का त्याग करें और हमारा जिला पूर्णतः प्रदूषण मुक्त व हरित राजनांदगांव बने।"

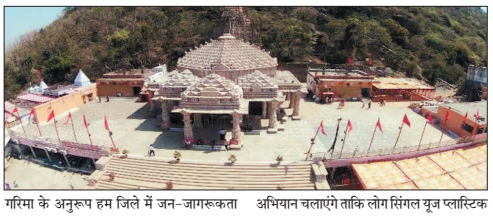

विकल्पों पर जोर : कपड़े के थैले और टोकनी का होगा प्रयोग

प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर श्रद्धालुओं को कपड़े के थैले अथवा पारंपरिक टोकनी के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। प्रशासन ने इस दिशा में उचित कदम उठाने और डोंगरगढ़ मंदिर क्षेत्र में कड़ाई से नियम लागू करने का भरोसा दिलाया है।

आम जनता और व्यापारियों से अपील

टीम ने जिले के समस्त व्यापारियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे माँ की नगरी डोंगरगढ़ और पूरे राजनांदगांव को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए स्वयं आगे आएं और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का संकल्प लें। इस अवसर पर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के चेयरमैन शैंकी बग्गा, जिला NGO प्रमुख सौरभ खंडेलवाल, नगर संयोजक निकुंज सिंघल, शहर नारी शक्ति प्रमुख मौसमी शर्मा एवं सह-प्रमुख ममता शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

खास खबर

अग्निवीर भर्ती 2027 : ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित 1 अप्रैल तक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के द्वारा भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती 2027 के लिए अधिसूचना जारी कर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। दुर्ग जिले के ऐसे अविवाहित पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी जिनकी जन्म तिथि 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के मध्य है, वे इस भर्ती के लिए 01 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे।

इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अग्निवीर जनरल ड्यूटी (पुरुष व महिला), अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर व अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं व 10वीं पास) के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अतिरिक्त सिपाही (फार्मा) के पदों के लिए भी पुरुष आवेदकों से आवेदन मंगाए गए हैं, जिनकी जन्म तिथि 01 जुलाई 2002 से 01 जनवरी 2008 के बीच होना अनिवार्य है।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक उम्मीदवार भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट (www.joinindianarmy.nic.in) पर जाकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। भर्ती के लिए ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) का आयोजन 01 जून 2026 से 15 जून 2026 के मध्य होने की संभावना है। विशेष जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय, नवा रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2965212 एवं 2965214 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा जिला रोजगार केंद्र दुर्ग के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं।

जिला स्तरीय परामशर्दात्री समिति की बैठक 26 फरवरी को

दुर्ग। जिला स्तरीय परामशर्दात्री समिति की बैठक गुरुवार, 26 फरवरी 2026 को अपरान्ह 4.00 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सभी सदस्य (बैंकर्स/शासकीय विभाग के अधिकारी) को प्रस्तावित एजेंडा अनुसार पूर्ण अद्यतन जानकारी सहित समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

विद्यार्थियों की इस संगीतमय प्रस्तुति और स्नेहपूर्ण उपहारों ने उन्हें भावुक-रविशंकर

पुरालिपि व पुरालेख अध्ययन विषय पर आयोजित सात दिवसीय कायर्शाला का हुआ समापन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

पुरालिपि एवं पुरालेख अध्ययन विषय पर आयोजित सात दिवसीय ज्ञानवर्धक कायर्शाला का समापन रविवार 22 फरवरी को हुआ। प्राचीन अभिलेखविद्या के इस विशेष कायर्शाला का आयोजन इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक दरबार हॉल में किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. डॉ. लवली शर्मा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राजन यादव अधिष्ठाता कला संकाय ने की। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. टीएस रविशंकर (भूतपूर्व निदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मैसूर) उपस्थित रहे। समापन समारोह का शुभारंभ सुष्मिता चौधरी के स्वागत उद्बोधन से हुआ।

उन्होंने अतिथियों को देवी सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण हेतु आमंत्रित किया जिससे कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. डॉ. लवली शर्मा ने इस कार्यशाला को विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन हेतु प्रेरक बताया। साथ ही उन्होंने विषय विशेषज्ञ डॉ. रविशंकर को उत्कृष्ट विशेषज्ञ बताते हुए उनकी सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे विद्वानों को विश्वविद्यालय में आमंत्रित करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रो. राजन यादव ने आचार्य दंडी के एक श्लोक का पाठ करते हुए कहा कि शब्द सूर्य के समान प्रकाशमान शक्ति है जो समस्त विश्व को आलोकित करती है। उन्होंने कहा कि अभिलेखविद्या ऐसी विधा है जिसे असत्य सिद्ध नहीं किया जा सकता तथा आक्रमणकारियों के प्रयासों के बावजूद हमारा गौरवशाली इतिहास अक्षुण्ण बना हुआ है। विद्यार्थियों को इतिहास अध्ययन पर विशेष ध्यान देने का आग्रह करते हुए उन्होंने अपने वक्तव्य का समापन गति ही जीवन है के संदेश के साथ किया।

अपने संबोधन में विशेषज्ञ डॉ. रविशंकर ने कहा कि यह कार्यशाला केवल संपन्न नहीं हुई बल्कि सभी ने इसे एक उत्सव के रूप में मनाया। विद्यार्थियों की संगीतमय प्रस्तुति और स्नेहपूर्ण उपहारों ने उन्हें भावुक कर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर की शांत एवं सुंदर वातावरण की सराहना की तथा अपने प्रवास को सुखद बताया।। विद्यार्थियों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि वे सीखी हुई विद्या का निरंतर अभ्यास करें और इस अमूल्य कला को कभी न छोड़ें।।

अतिथियों के उद्बोधन से पहले प्रतिभागियों को अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। शरद स्वणर्कार, देवहूति साहू, कृष्ण कुमार नेताम, रामेश्वरी, शिवांगी रावत, प्रखर चौरे, नैन्सी अग्रवाल, श्रुति, धरनी वर्मा एवं सोनल वसानी सहित अनेक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने कार्यशाला को सुविचारित, अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताया। सभी ने डॉ. टी. एस. रविशंकर की निष्ठा, समर्पण और गहन विद्वत्ता की सराहना की। बी.एफ.ए. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने सम्मान स्वरूप डॉ. रविशंकर को उपहार भेंट किए। समापन सत्र में प्रशांत साहरे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वे लंबे समय से इस विद्या को सीखने के इच्छुक थे जो डॉ. रविशंकर के मार्गदर्शन में संभव हो सका। डॉ. पूणिर्मा केलकर ने विदाई स्वरूप आज जाने की ज़िद न करो का संस्कृत रूप में मधुर गायन प्रस्तुत किया जिसने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

उन्होंने डॉ. रविशंकर की तुलना एक प्राचीन ऋषि से कि एवं अभिलेखविद्या को शोध-प्रविधि से जोड़कर उसकी शैक्षणिक महत्ता स्पष्ट की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आशुतोष चौरे ने कहा कि प्रारंभ में उन्हें संदेह था कि कायर्शाला को अपेक्षित प्रतिसाद मिलेगा या नहीं किंतु विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने इसे अत्यंत सफल बना दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. रविशंकर ने एक ऐसी खिड़की खोली जिसके माध्यम से सभी को अपने गौरवशाली इतिहास की झलक देखने का अवसर मिला। अंत में डॉ. आशुतोष चौरे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी सहयोगियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कुलपति द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

इंडोनेशिया-इंडिया टेस्ट सीरीज में गुरुकुल के रामू का दमदार प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा के क्रीड़ा शिक्षक रामू सिंह ठाकुर ने इंडोनेशिया-इंडिया बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इंडोनेशिया में 13 से 19 फरवरी तक आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने मेजबान इंडोनेशिया को 3-0 से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

विद्यालय के मीडिया प्रभारी एवं हिंदी पीजीटी डॉ. विजय कुमार शाही ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बॉल बैडमिंटन खेल भारत के साथ-साथ इंडोनेशिया में भी अत्यंत लोकप्रिय है। इस वर्ष आयोजित टेस्ट सीरीज में भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों का दल शामिल हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ से एकमात्र खिलाड़ी के रूप में गुरुकुल के क्रीड़ा शिक्षक रामू सिंह ठाकुर को चयनित किया गया।

प्रतियोगिता में भारतीय दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एकतरफा मुकाबले में इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। इस जीत में रामू सिंह ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी इस उपलब्धि से गुरुकुल परिवार सहित पूरे कवर्धा जिले में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार राय ने रामू सिंह ठाकुर को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपेक्षाओं के अनुरूप शानदार प्रदर्शन कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे राज्य और देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि ठाकुर भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व जनवरी 2023 में मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन में भी गुरुकुल के हिंदी शिक्षक डॉ. विजय कुमार शाही भाग ले चुके हैं। अब क्रीड़ा शिक्षक रामू सिंह ठाकुर इंडोनेशिया के बाली में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले संस्था के दूसरे शिक्षक बन गए हैं। संस्था के अध्यक्ष, निदेशक मंडल, प्रशासक, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने रामू सिंह ठाकुर को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

चारभांठा (ठेलकाडीह) में दो दिवसीय फाग गायन और झांकी प्रतियोगिता का हुआ भव्य आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

फागुन मास के पावन अवसर पर ग्राम चारभांठा (ठेलकाडीह) में दो दिवसीय फाग गायन एवं झांकी प्रतियोगिता 28 फरवरी एवं 1 मार्च 2026 को भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, भक्ति भावना एवं कलात्मक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करना है। प्रतियोगिता में दूर दराज से आने वाली मंडलियां अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दशर्कों को मंत्रमुग्ध करेंगी।

इस सांस्कृतिक उत्सव में फाग गायन, झांकी प्रदर्शन, राधाझ्रकृष्ण वेशभूषा, नगाड़ा वादन, नृत्य एवं अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण रहेंगी। पुरस्कार विवरण झांकी प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कारः 6000 द्वितीय पुरस्कारः 4500 तृतीय पुरस्कारः 3500 चतुर्थ पुरस्कारः 2500 पंचम पुरस्कारः 1500 षष्ठ पुरस्कारः 1000 सप्तम पुरस्कारः 700 प्रवेश शुल्कः 251 सदाबहार झांकी पुरस्कारः 900 रचना (फाग गायन) प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कारः 4000 द्वितीय पुरस्कारः 3500 तृतीय पुरस्कारः 2500 चतुर्थ पुरस्कारः 1500 पंचम पुरस्कारः 1000 षष्ठ पुरस्कारः 700 सप्तम पुरस्कारः 500 प्रवेश शुल्कः 200 सदाबहार रचना पुरस्कारः 700 विशेष आकर्षण 300 का विशेष पुरस्कारः राधाझ्रकृष्ण वेशभूषा, नगाड़ा वादन एवं नृत्य प्रस्तुति के लिए। मंच व्यवस्था मंच संचालकः ग्वाला प्रसाद यादव विशेष सम्मानः प्रथम एवं द्वितीय दिवस प्रथम मंचस्थ मंडली को दीवार घड़ी भेंट की जाएगी। आयोजन समिति अध्यक्षः प्रवीण साहू उपाध्यक्षः कपिल साहू सचिवः धर्मेंद्र साहू संचालकः जितेंद्र साहू संपर्क सूत्र 97541-99296, 83051-24776, 90098-30458, 76974-89590। इसी तिथि को गातापार, शिकारीटोला, नवागांव, सिरसही, ताकम, मरकामटोला, महरुमकला, बाटगांव, तुरीपार, कलेवा, ठेलकाडीह सहित अन्य समीपस्थ ग्रामों में भी प्रतियोगिताएं आयोजित हैं। अतः प्रतिभागी मंडलियां समय का ध्यान रखते हुए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। आयोजन समिति द्वारा समस्त भक्तजनों, कलाकारों एवं ग्रामवासियों से सपरिवार उपस्थित होकर इस सांस्कृतिक महोत्सव को सफल बनाने की विनम्र अपील की गई है।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत और साउथ अफ्रीका क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा खिलाते हुए दुर्ग पुलिस ने बड़ी कारर्वाई करते हुए दो आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा संगठित रूप से हार-जीत पर रुपये का दांव लगाकर अवैध लाभ अर्जित किया जा रहा था। मामले में एक आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 22 फरवरी 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि असरफ नगर, तकियापारा दुर्ग स्थित एक मकान में भारत बनाम साउथ अफ्रीका क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद थाना सिटी कोतवाली एवं एसीसीयू टीम ने संयुक्त रूप से मौके पर दबिश दी।

छापेमारी के दौरान मकान के अंदर एलईडी टीवी पर लाइव क्रिकेट मैच चल रहा था और मोबाइल फोन के माध्यम से हार-जीत पर रुपये का दांव लगाकर ऑनलाइन सट्टा खिलाया जा रहा था। पुलिस कार्रवाई के

दौरान एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया, जबकि दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोहेल अहमद खान उर्फ मामू (35 वर्ष), निवासी असरफ नगर तकियापारा दुर्ग तथा संतोष कुमार गोंड़ (38 वर्ष), निवासी रूआबांधा कुदरापारा वार्ड नं. 04 भिलाई के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने ऑनलाइन सट्टा संचालन की बात स्वीकार की। फरार आरोपी का नाम शाहिल उर्फ सोनू (31 वर्ष), निवासी असरफ नगर तकियापारा दुर्ग बताया गया है।

पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप, एक एलईडी टीवी, चार मोबाइल फोन, एक डीवीआर, चार मोबाइल चार्जर, जियो सेटअप बॉक्स, वाई-फाई राउटर, नगद 5,000 रुपये, सट्टे का लेखा-जोखा रखने वाला एक रजिस्टर एवं डॉट पेन जब्त किया है। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 2,70,500 रुपये बताई गई है।

आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 90/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 4, 6, 7 एवं धारा 112(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना सिटी कोतवाली के सउनि मोहन लाल साहू, प्र.आर. मनोज निर्मलकर, म.आर. लता रजक तथा एसीसीयू टीम के सउनि संतोष कुमार मिश्रा, आरक्षक क्रांति शर्मा, आरक्षक बालमुकुंद साहू एवं नासिर बक्श की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अवैध जुआ एवं सट्टा गतिविधियों में शामिल न हों और ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पासलखैरा के विद्यालय में पहली बार हुआ वार्षिक उत्सव

विदाई व प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

संकुल कामठा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला पासलखैरा में मातृ-पितृ पूजन दिवस के अवसर पर पहली बार वार्षिकोत्सव विदाई सम्मान एवं वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम शाला परिवार शाला प्रबंधन समिति, पालक समूह, बिहान महिला समूह तथा ग्रामवासियों के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पासलखैरा के पंचों द्वारा माता सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष पूजा अचर्ना एवं माल्यार्पण कर किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की समृद्ध परंपरा को जीवंत करते हुए कर्मा नृत्य, बस्तरिहा गीत, जस जंवारा, गौरा-गौरी गीत, पंथी नृत्य, राउत नृत्य, बसदेवा गीत तथा परी जोक्कड़ नाचा की आकर्षक प्रस्तुति दी। बच्चों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने उपस्थित दशर्कों को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से अपने माता-पिता का पूजन कर आर्शीवाद भी प्राप्त किया। समारोह में पूर्व शिक्षक भीषम वर्मा एवं ताम्रध्वज भूआर्य को उनके समर्पण और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शॉल श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर भावपूर्ण विदाई दी गई।

अतिथि के रूप में जनपद सदस्य चंदू वर्मा, जनपद सदस्य शैलेंद्र मिश्रा जनपद क्षेत्र दिलीपपुर तथा ग्राम पंचायत मंडला के उपसरपंच परदेश सिरमौर उपस्थित रहे। अतिथियों ने पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यार्थियोंको आशीर्वाद दिया तथा विद्यालय के भौतिक विकास में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में वार्षिक प्रतिभा सम्मान के अंतर्गत बेस्ट कलाकार का पुरस्कार कल्पना बेस्ट राइटिंग पिंकी, बेस्ट पठन खिलेंद्र, बेस्ट पहाड़ा पठन गरिमा, बेस्ट स्वच्छ विद्यार्थी दीप्ती वर्मा एवं खुशी, बेस्ट अभिनय संदीप, प्रतिभाशाली विद्यार्थी चंचल एवं यशस्वी तथा बेस्ट स्टूडेंट का पुरस्कार अमित कोसरे को प्रदान किया गया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2026 में प्रथम स्थान चंचल यादव, द्वितीय स्थान अमित कोसरे एवं तृतीय स्थान दीप्ती वर्मा ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक महदीप जंघेल ने किया तथा प्रधान पाठिका उर्वशी चन्द्रवंशी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में पंच रामप्यारी वर्मा, कुंजेश्वरी नेताम, गुलपिया चंदेल, सेवती वर्मा, प्रदुमन वर्मा, शाला समिति अध्यक्ष कमलेश कोसरे, राकेश यादव, प्रेमलाल, खोमलाल वर्मा, अजय ठाकुर, चंद्रेश वर्मा, कौशिल्या ठाकुर, अमरौतिन कोसरे, मीरा वर्मा, चंद्रिका वर्मा, लक्ष्मी चंदेल, सुरेखा कोसरे, सुनिता, किशन, मोनू, हरीश, करण कोसरे, दुर्गेश वर्मा, देवव्रत वर्मा सहित महिला समूह पालकगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

चार माह से पेंशन नहीं, एमआईसी ने लिखा समाज कल्याण विभाग को पत्र

रिसाली। पेंशन धारियों के खातें में राशि नहीं आने से महापौर परिषद ने समाज एवं कल्याण विभाग को पत्र लिखा है। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने कहा पेंशन हितग्राहियों को पेंशन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। परिषद के सद्स्यों ने बैठक में 305 नए आवेदनों को अनुमोदन भी किया। दरअसल परिषद के सद्स्यों का कहना था कि नवम्बर 2025 से पेंशन हितग्राहियों के खाते में राशि नहीं आई है।

चर्चा के दौरान खुलासा हुआ कि विभाग से ही राशि का आवंटन नहीं हुआ है। इसे महापौर परिषद के सद्स्यों ने गंभीरता से लिया और समाज कल्याण विभाग को पत्र लिखने का निर्णय लिया। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय पेंशन एवं राज्य शासन की पेंशन योजना के तहत वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन के तहत 500-500 और समाजिक सुरक्षा के तहत 49 वर्ष से कम आयु में विधवा होने पर 20 हजार की सहायता दी जाती है। योजना का लाभ लेने बी.पी.एल. होना अनिवार्य है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202512101000164/ब-121 वर्ष 2025-26 आवेदक बसंत कुमार एम.एच.आ. स्व. जे. होन्नाभट्टा निवासी शांति नगर भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 7565/3 रकबा 0.010 हे. / 1300 वर्गफीट भूमि आवेदक के नाम पर दर्ज है। का आवासीय प्रयोजनार्थ पुनर्निर्धरण आदेश पारित किया गया है, जों वतर्मान में कृषि भूमि दर्ज है। जिसे ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में परिवर्तित भूमि दर्ज किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को कृषि भूमि से परिवर्तित भूमि दर्ज किये जाने में आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15/01/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

गया है। आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

क्या एप्पल साइडर विनेगर सेहत को पहुंचाता है नुकसान?

एप्पल साइडर विनेगर का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। परफेक्ट फिगर से लेकर चमकदार स्किन पाने के लिए लोग इसका सेवन कर रहे हैं। एप्पल साइडर विनेगर को कुछ लोग वजन कम करने के लिए सुबह-सवेरे खाली पेट भी पी रहे हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं रोजाना एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। एप्पल साइडर विनेगर का लंबे समय तक सेवन करने से आपकी हेल्थ को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि एप्पल साइडर विनेगर में बहुत ही स्ट्रांग एसिड होता है, जिसका लिमिट से ज्यादा सेवन नुकसानदायक हो सकता है। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का फायदा लेना है तो उसका सेवन पर्याप्त मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है। एप्पल साइडर विनेगर के नुकसान क्या-क्या हैं?

दांतों की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर बहुत ही ज्यादा एसिडिक होता है, यह ऐसे तो नुकसादायक नहीं लगता है। लेकिन इसका हद से ज्यादा सेवन करना आपके दांत खराब कर सकता है। दांतों पर एक लेयर होती है, जो लिमिट से ज्यादा एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से हट सकती है। लेयर हटने से दांतों में सेंसेटिविटी और सड़न जैसी समस्या हो सकती है। अगर आपको अपने दांतों से प्यार है तो एप्पल साइडर विनेगर को पानी में मिलाकर और स्ट्रा से पी सकते हैं।

दवाइयों पर असर

अगर आपकी किसी तरह की दवा चल रही है, तो एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करते समय ज्यादा सावधानी की जरूरत है। क्योंकि इसमें मौजूद एसिड, दवाइयों के असर पर प्रभाव डाल सकता है। जिससे अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप किसी तरह की दवा ले रही हैं और एप्पल साइडर विनेगर को भी अपने रूटीन में शामिल करने के बारे में सोच रही हैं तो पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य ले लेनी चाहिए।

पेट की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर को डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसका लिमिट से ज्यादा सेवनपेट की समस्या हो सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में एसिड का सेवन करने से आपके पेट में जलन हो सकती है। खासकर, अगर आपका गट सेंसिटिव, खट्टे डकार या एसिडिटी की समस्या रहती है तो एप्पल साइडर विनेगर को एक लिमिट में ही लेना चाहिए।

स्किन इरिटेशन

एप्पल साइडर विनेगर का स्किन केयर ट्रीटमेंट्स में भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन, इसे स्किन पर डायरेक्ट लगाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे जलन और इरिटेशन की समस्या हो सकती है। स्किन के लिए एसिड बहुत हार्ड हो सकता है, ऐसे में इसे डायलियूट करके ही लगाएं। अगर आप एप्पल साइडर विनेगर का टोनर या एक्ने पर इस्तेमाल कर रही हैं, तो पहले थोड़े एरिया पर लगाकर चेक करें।

हड्डियों पर असर

क्या आप जानती हैं एप्पल साइडर विनेगर का बहुत ज्यादा सेवन करने से आपकी हड्डियों पर असर पड़ सकता है? एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट से ज्यादा सेवन, शरीर में पोटेशियम की मात्रा को कम करने से लिंक हो सकता है जिसकी वजह से बोन डेनसिटी भी समय के साथ कम हो सकती है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट में ही सेवन करना चाहिए।

एप्पल साइडर विनेगर के फायदे अनेक हैं, लेकिन किसी भी चीज का अति में सेवन करना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले उसके फायदे और नुकसान, दोनों के बारे में जान लेना चाहिए। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से किसी तरह का रिएक्शन होता है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है। अगर आपको भी वैरिकोज वेंस की समस्या है, तो अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके आप इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके वैरिकोज वेंस की समस्या से पा सकते हैं राहत

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है।

कई बार इन नसों में ब्लीडिंग भी हो जाती है। वैरिकोज वेंस के कारण क्या हैं और किन आसान तरीकों की मदद से इन्हें मैनेज किया जा सकता है। इस बारे में हमने डाइटीशियन, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट से बात की और उनसे इसे मैनेज करने के कुछ टिप्स जानें। आइए आपको बताते हैं।

वैरिकोज वेंस के कारण

- लंबे वक्त तक खड़े रहना
- वजन अधिक होना
- प्रेग्नेंसी
- नसों पर अधिक दबाव
- हार्मोनल इंबैलेंस
- बढ़ती उम्र

इस बात का ख्याल

पुराने वक्त में घरों में खाना बनाने के लिए चूल्हे का प्रयोग होता था। महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी लेकिन आज के वक्त में खड़े रहकर ही खाना बनाया जाता है। ये भी वैरिकोज वेंस की एक बड़ी वजह है। जब महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी तो वे लंबे वक्त तक खड़ी नहीं रहती थी जिससे वैरिकोज वेंस की समस्या कम देखने को मिलती थी। इससे पेल्विक मसल्स को भी फायदा होता था।

इन टिप्स को करें फॉलो

- अगर आपको वैरिकोज वेंस की समस्या है तो कुछ आसान टिप्स को फॉलो करके आप इसे मैनेज कर सकती हैं।
- लंबे समय तक खड़ी ना रहें। कुछ देर खड़ी रहने के बाद बैठ जाएं।
- पैरों पर अधिक प्रेशर न डालें।
- अगर आपका वजन अधिक है तो इसे कम करने की कोशिश करें।
- ज्यादा पानी पिएं।
- अपनी डाइट में ताजे फल और सब्जियों को शामिल करें।
- डॉक्टर से सलाह लेकर कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स पहनें। इससे वैरिकोज वेंस को बढ़ने से रोका जा सकता है।
- अगर समस्या ज्यादा है तो डॉक्टर से ट्रीटमेंट जरूर करवाएं।

वैरिकोज वेंस होने पर न करें ये 5 काम, बढ़ सकती है मुश्किल

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। यह कई कारणों से हो सकती हैं। अगर आपको यह समस्या है, तो कुछ कामों को करने से बचें वरना आपकी मुश्किल बढ़ सकती है।

वैरिकोज वेंस के बारे में काफी लोग नहीं जानते हैं। लेकिन, यह नसों से जुड़ी एक समस्या है। आपने कुछ लोगों के हाथ, पैर, एड़ी, पंजे या टखनों में नीली नसें या नसों के गुच्छे देखे होंगे। ये वैरिकोज वेंस होती हैं। इन्हें स्पाइडर वेंस भी कहा जाता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं और यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में देखने को मिलती है। आमतौर पर इनसे कोई खतरा नहीं होता है। लेकिन, कई बार ये मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। इनकी वजह से कई बार, टांगों में खून की सप्लाई पर असर होता है। कई लोगों को इनकी वजह से खड़े होने में परेशानी हो सकती है। वहीं, कई बार इनमें दर्द और जलन भी होती है। अगर आपको यह समस्या है, तो आपको कुछ कामों को पूरी तरह अवॉइड करना चाहिए।

वैरिकोज वेंस होने पर बिल्कुल न करें ये काम

- अगर आपको वैरिकोज वेंस की समस्या है, तो ज्यादा देर बिल्कुल खड़े न रहें। इससे आपकी दिक्कत बढ़ सकती है। ज्यादा देर खड़े रहने के कारण, नसों में खून जमने लगता है इससे नसों पर अधिक प्रेशर पड़ता है।
- वैरिकोज वेंज होने पर, आप भारी वजन न उठाएं। दरअसल, भारी वजन उठाने से नसों पर दबाव पड़ता है और इससे नसों में खिंचाव पैदा होता है। इसकी वजह से नसे कमजोर होने लगती हैं। ऐसा नहीं है कि आप बिल्कुल वजन नहीं उठा सकती हैं। लेकिन, अधिक भारी चीजों को उठाने से बचें।
- हाई हील्स वाले सैंडिल न पहनें। इससे ब्लड फ्लो बाधित होता है और नसों पर दबाव पड़ता है।
- वैरिकोज वेंस होने पर, आपको मुलायम और आरामदायक चप्पले पहननी चाहिए।
- अगर आपको वैरिकोज वेंस हैं, तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपको कब्ज न हो। अगर आपका पेट ठीक से साफ नहीं हो रहा है, आपको कब्ज है, तो इसकी वजह से पेट साफ होने पर नसों पर दबाव आता है और परेशानी बढ़ सकती है।
- अधिक कठोर या खुरदुरी जगह पर न चलें। इससे भी नसों पर प्रेशर आता है।

ट्रेवल के दौरान खराब नहीं होगा डाइजेशन अपनाएं ये टिप्स

क्या ट्रेवलिंग के दौरान आपका भी पेट गड़बड़ हो जाता है,गैसे और कब्ज से परेशान हो जाते हैं तो आप इन टिप्स को फॉलो करके इसमें आराम पा सकते हैं।

ट्रेवल करना मजेदार और रोमांच से भरा होता है, लेकिन अक्सर ट्रैवलिंग के दौरा पेट साथ नहीं देता है, अक्सर लोगों को एसिडिटी, कब्ज, जैसी दिक्कत हो जाती है जिसके कारण सफर का मजा किरकिरा हो जाता है, फ्रेशनेस महसूस नहीं होती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो हम आपको एक्सपर्ट के बताए कुछ टिप्स बता रहे हैं जिसे फॉलो करने से ट्रेवलिंग के दौर आपको दिक्कत नहीं होगी

- ट्रैवल के दौरान डाइजेशन को सही रखना है तो खाली पेट कैफीन का सेवन करने से बचें, इससे एसिडिटी बढ़ाने की संभावना रहती है।
- रात को सोते वक्त नाभि में तेल जरूर लगाएं, इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है। पाचन बेहतर होता है और गैस की समस्याएं कम होती है। यह एक बेहद सरल और प्रभावी उपाय है।
- सूर्य नमस्कार करना ना भूलें, इससे न सिर्फ फिटनेस को बढ़ावा मिलता है बल्कि आपके पाचन तंत्र को भी सक्रिय करने में मदद मिलती है। यह पेट के अंगों में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है और पाचन क्रिया को मजबूत करता है।
- रोज सुबह एक चम्मच शहद का सेवन करें, यह नेचुरल लैक्सेटिव गुणों वाला होता है जो कब्ज और गैस की समस्याओं में मदद करता है।
- ट्रेवल के दौरान ठंडा खाना खाने से बचें, ठंडा खाद्य पदार्थ पाचन को धीमा कर सकते हैं, कोशिश करें कि आपके भोजन का तापमान सामान्य गर्म हो ताकी पाचन प्रक्रिया सुचारू बनी रहे।
- फलों और दूध को एक साथ ना खाएं, इससे ब्लोटिंग और असुविधा हो सकती है। फल जल्दी पचते हैं जबकि दूध में अधिक समय लगता है।
- सोने से पहले वज्रासन में जरूर बैठें, इससे पेट पर दबाव पड़ता है जो पाचन अंगों को सक्रिय करता है और भोजन को सही से पचने में मदद करता है।
- रात को सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें, इससे आपकी नींद खराब हो सकती है और पाचन में बाधा आ सकता है।
- रात का खाना जल्दी खाने से आपके शरीर को भोजन पचाने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। इसे पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होता है और असुविधा की संभावना कम होती है।

उम्र बढ़ने के साथ कमजोर होने लगती है पास की नजर

प्रेसबायोपिया यानी पास की नजर का कमजोर होना है। यह बीमारी उम्र के साथ होने वाले सामान्य बदलाव के कारण होती है जोकि 40 की उम्र के बाद देखने को मिलती है। हालांकि मोबाइल फोन और इसी तरह के अन्य गैजेट्स के इस्तेमाल करने से कई बार यह बीमारी उम्र से पहले ही नजर आने लगती है। इसमें नजर को पास में केंद्रित कर पाने में परेशानी होती है। खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरू में तो व्यक्ति मोबाइल या किताब को दूर कर पढ़ लेता है लेकिन बाद में दिखाई नहीं देता।

कारण – इसका मुख्य कारण उम्र का अधिक होना है। यह बीमारी 40वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में आम है, लेकिन मोबाइल, कम्प्यूटर और टेबलेट्स के अत्यधिक इस्तेमाल से लोगों को जल्द ही चश्मा लग जाता है। एस्टीमैटिज्म (दृष्टिवैषम्य), नियरसाइटेडनेस (निकटदृष्टि दोष) और फारसाइटेडनेस (दूरदृष्टि दोष) के रूप में प्रेसबायोपिया में अंतर पाया जा सकता है, जो कि आंखों की पुतलियों के आकार से संबंधित है और आनुवांशिक व पर्यावरणीय कारणों से होते हैं।

लक्षण-इलाज – प्रेसबायोपिया के मरीजों को नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस होने लगता है। अगर बीमारी की पहचान शुरुआती चरण में हो जाती है तो दिनचर्या में कुछ बदलाव कर इसको नियंत्रित किया जाता है, लेकिन बीमारी बढ़ने पर सर्जरी की जाती है। इसके लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज आदि सर्जरी की जाती है।

चश्मा – बायफोकल या प्रोग्रेसिव लैंस लगे चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे अच्छे होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं। चश्मे के लैंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है जबकि लैंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष के लिए होता है। प्रोग्रेसिव प्रकार के लैंस बायफोकल लैंस के समान होते हैं लेकिन उनके बीच कोई लकीर नजर नहीं आती। इसको पहन सकते हैं।

जांचें – इसकी जांच भी आंखों की दूसरी बीमारियों की तरह ही होती है। डॉक्टर, पहले आंखों में दवा डालकर पुतलियों को फैलाते हैं। इसके बाद तेज रोशनी में आंखों की जांच करते हैं। इस प्रक्रिया में करीब एक घंटे का समय लगता है। इसके अलावा भी डॉक्टर कुछ अन्य टैस्ट भी करवाते हैं।

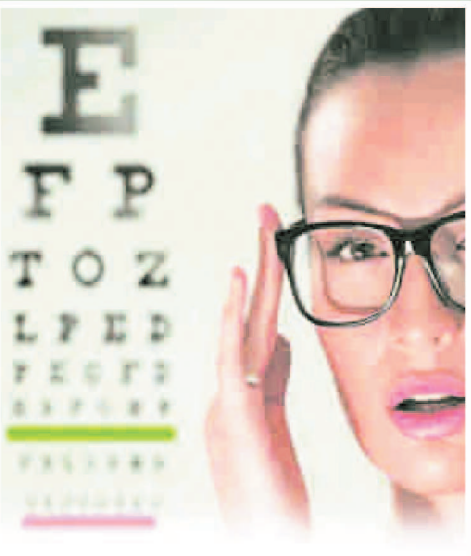

बॉक्सिंग रिंग में उतरे इरफान के बेटे बाबिल खान! क्या कर रहे नए किरदार की तैयारी

दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान अपनी एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। एक्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई क्राइम थ्रिलर सीरीज 'लॉगआउट' में नजर आए थे। इसी बीच बाबिल का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वो मुआई थाई सीखते नजर आ रहे हैं। मुआई थाई एक पारंपरिक थाई बॉक्सिंग तकनीक है।

साझा किया वीडियो

एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वो थाईलैंड की मशहूर बॉक्सिंग तकनीक मुआई थाई की प्रैक्टिस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह एक बॉक्सिंग रिंग के अंदर ट्रेनर के साथ दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही उनके चेहरे पर इसे लेकर काफी जोश नजर आ रहा है। कहा जाता है कि मुआई थाई ट्रेनिंग लेने वाले को बड़े अनुशासन के साथ कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

फैंस ने लगाए ये कयास

बाबिल के इस वीडियो को देखकर उनके फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि ये उनके किसी अपकमिंग प्रोजेक्ट की तैयारी भी हो सकती है। कई फैंस का मानना है कि एक्टर जल्द ही किसी एक्शन रोल में नजर आएंगे। हालांकि, अब तक बाबिल की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

क्या है मुआई थाई तकनीक

मुआई थाई थाईलैंड की एक प्रसिद्ध बॉक्सिंग तकनीक है। बॉलीवुड के कई अभिनेताओं ने मुआई थाई का प्रशिक्षण लिया है। एक्टर अक्षय कुमार ने थाईलैंड में लगभग पांच साल तक इसकी ट्रेनिंग ली थी। वहीं विद्युत जामवाल ने भी मुआई थाई तकनीक की बॉक्सिंग सीखी है।

बाबिल का वर्कफ्रंट

बाबिल खान ने 2022 में ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'कला' से तृप्ति डिमरी के अपोजिट डेब्यू किया था। इसमें उनकी एक्टिंग को खूब तारीफ मिली। इसके बाद वह वेब सीरीज 'द रेलवे मैन' में नजर आए। बाबिल की आखिरी फिल्म साइबर थ्रिलर 'लॉगआउट' थी जो बीते साल ओटीटी पर रिलीज हुई थी। अब उनके सोशल मीडिया पोस्ट से अंदाजा लगाया जा रहा है कि उनकी आने वाली फिल्म एक्शन जॉनर की हो सकती है।

साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि को मिला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड में एक अलग मुकाम बनाया है। साथ ही बाकी भारतीय कलाकारों के लिए भी राह खोली है। प्रियंका की राह पर चलते हुए साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि भी अब एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं। इसमें उनके साथ टीवी पर 'महादेव' का किरदार निभाने वाला एक चर्चित एक्टर नजर आएगा।

मोहित रैना होंगे प्रियामणि के अपोजिट

इस फिल्म में प्रियामण के अपोजिट टीवी के चर्चित एक्टर मोहित रैना नजर आएंगे। वह बॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं। लेकिन टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में उन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मोहित रैना कहते हैं, 'यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह पहचान और अपनेपन को बहुत ईमानदारी से दिखाता है।' वहीं प्रियामणि ने कहा, 'जिस चीज ने मुझे तुरंत इस फिल्म की तरफ खींचा, वह थी कहानी का इमोशन और सच्चाई।' यूएस बेस्ड रेड बाइसन प्रोडक्शंस ने इस क्रॉस बॉर्डर फीचर फिल्म के लिए मुंबई के एज्योर एंटरटेनमेंट के साथ पार्टनरशिप की है।

क्या होगी फिल्म की कहानी?

यह फिल्म हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखी गई। वही इसका डायरेक्ट करेंगे। अभी तक फिल्म का टाइटल नहीं रखा गया है। यह एक फीचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें एक अप्रवासी परिवार की भावुक कहानी दिखाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2026 में शुरू होगा।

परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर जिम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही जिंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो।

फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नजरअंदाज होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है।

अपने किरदार से जुड़ी उम्मीदों पर संदीपा कहती हैं, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये जरूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती।

सच पूछिए तो 20 फरवरी को रिलीज हो रही फिल्म दो दीवाने सहर में के जरिए संदीपा धर दर्शकों को उन मुखौटों पर सवाल उठाने का, जिन्हें हम रोज पहनते हैं, और उन आईनों से सामना करने का, जिनसे हम अक्सर नजरें चुरा लेते हैं का मौका देती हैं। इसी के साथ नैना की कहानी के माध्यम से यह फिल्म कई दिलों की सच्चाई को न सिर्फ सामने लाने की कोशिश करती है, बल्कि उन्हें थोड़ा सुकून भी देती है।

सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर फिल्म से होगा दिव्या अग्रवाल का बॉलीवुड डेब्यू

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है और इसे देखकर आपके रोंगटे जरूर खड़े हो जाएंगे। फिल्म को ज्योति राज गवाली प्रोड्यूस कर रही हैं। वहीं राज गवाली को-प्रोड्यूसर हैं और निर्देशन की कमान सौरभ चौबे ने संभाली है।

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल 'द वॉर्डरोब' अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है।

दिव्या अग्रवाल का बॉलीवुड डेब्यू

टीवी रियलिटी शोज की विजेता रह चुकीं दिव्या अग्रवाल इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म ने मुझे एक कलाकार के तौर पर चैलेंज किया। कहानी बहुत ग्रिपिंग और एटमॉस्फेरिक है। मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे जल्द से जल्द देखें।' वहीं रजनीश दुग्गल ने भी फिल्म की स्क्रिप्ट की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें सस्पेंस और साइकोलॉजिकल एलिमेंट्स का शानदार बेलेंस है।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म की कहानी एक साधारण-सी दिखने वाली अलमारी से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे डरावनी घटनाओं की एक लंबी कड़ी को जन्म देती है। ट्विस्ट, शॉक और रहस्य से भरी यह कहानी दर्शकों को सीट से बांधे रखने पर मजबूर कर सकती है। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

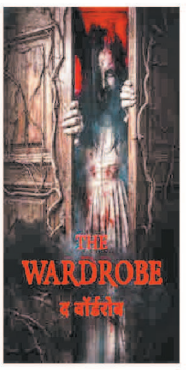

प्रियंका चोपड़ा को अपनी फिल्म में लेना अफोर्ड नहीं कर सकती

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन बहन के तौर पर पहचानी जाती हैं। शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थीं लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा, 'नहीं...नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।'

फिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरित

बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, 'मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म (गांधी टॉक्स) का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

एक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलता

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है। एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूं, एक्टिंग नहीं छोड़ूंगी।'

दिल्ली के बारे में कोई बुराई करें तो सहन नहीं होता

मीरा दिल्ली से हैं। दिल्ली के बारे में वह किन चीजों को याद करती हैं? वह कहती हैं, 'मैं दिल्ली आकर मोती महल का बटर चिकन जरूर खाती हूं। मेरा भाई कहीं से बिरयानी लेकर आता है। मैं मॉडल टाउन में रहती हूं तो वहां पर छोले भटूरे मुझे बहुत पसंद हैं। मुंबई में मैं इतने सालों से रह रही हूं लेकिन दिल्ली का जो खाना है, वो वहां मिलता ही नहीं है। दिल्ली का स्ट्रीट फूड कमाल का है, गोलगप्पे टेस्टी होते हैं। मैं जब भी आती हूं तो हर दिन कुछ ना कुछ ट्राई करती ही हूं। कोई अगर दिल्ली की बुराई करता है तो वो भी मुझे पसंद नहीं आता। मैं हमेशा दिल्ली के बारे में अच्छी बात सुनना चाहती हूं। (हंसते हुए) अगर मुझे मुंबई में कोई ये कहता है कि दिल्ली में बहुत प्रदूषण है तो मैं ये भी पूछती हूं कि मुंबई में कितना है?

फिल्म के गाने बनाने में समय लग गया

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, 'जब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टेप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे तो फिल्म को एक भाषा में रिलीज करना हमें सही नहीं लगा। इसलिए ए.आर रहमान सर ने शुरू से फिल्म का संगीत बनाना शुरू किया। हिंदी के गाने पहले से ही तैयार थे, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी के गाने बनाने शुरू किए। उसमें एक साल और लग गया। लेकिन हमारी मंशा थी कि चाहे एक-दो साल लग जाएं लेकिन जब फिल्म दर्शकों के सामने आए तो लोगों की वाहवाही मिले।

अपार आईडी से जोड़ी गई आरटीई प्रतिपूर्ति पर निजी स्कूलों का विरोध, सचिव स्कूल शिक्षा विभाग को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के तहत अध्ययनरत विद्यार्थियों की शुल्क प्रतिपूर्ति को अपार आईडी से जोड़ने के निर्णय पर आपत्ति जताते हुए सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र प्रेषित किया है। एसोसिएशन का कहना है कि वतर्मान परिस्थितियों में यह आदेश न केवल व्यावहारिक कठिनाइयों से घिरा है, बल्कि आरटीई की मूल भावना के अनुरूप भी नहीं है।

17 फरवरी के आदेश पर आपत्ति

उल्लेखनीय है कि लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा 17 फरवरी को जारी आदेश में समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि आरटीई पोर्टल में पंजीकृत निजी विद्यालयों में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों की अपार आईडी अनिवार्य रूप से बनाई जाए। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि शुल्क प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान अपार आईडी प्रविष्टि के उपरांत ही किया जाएगा।

इसी आदेश के संदर्भ में 23 फरवरी को एसोसिएशन ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि अपार आईडी का शत-प्रतिशत निर्माण अभी संभव नहीं हो पाया है। वतर्मान में लगभग 7 प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आईडी लंबित है, जिसके पीछे प्रमुख कारण अभिभावकों की उदासीनता बताई गई है।

अभिभावकों की सहमति सबसे बड़ी बाधा

फाइल फोटो

एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि अपार आईडी निर्माण की प्रक्रिया में अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। अनेक अभिभावक आधार संबंधी सहमति पत्र जमा नहीं कर रहे हैं, जिससे विद्यालयों के प्रयास अधूरे रह जाते हैं। स्कूल प्रबंधन केवल प्रक्रिया को सुगम बना सकता है, परंतु अभिभावकों को बाध्य नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त कई मामलों में आधार कार्ड और विद्यालयीन अभिलेखों में नाम एवं जन्मतिथि के अंतर के कारण तकनीकी अड़चनें भी सामने आ रही हैं। ऐसे प्रकरणों की सूची समय-समय पर संबंधित नोडल अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध कराई जा रही है।

पूर्व से प्रवेशित विद्यार्थियों को छूट की मांग

एसोसिएशन ने मांग की है कि जो विद्यार्थी पहले से आरटीई पोर्टल में पंजीकृत होकर निजी विद्यालयों में अध्ययनरत हैं, उन्हें इस नए प्रावधान से अलग रखा जाए। आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 में होने वाले नए प्रवेशों पर यह नियम लागू किया जाना अधिक उपयुक्त होगा। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रतिपूर्ति राशि रोकना उन निजी विद्यालयों के लिए अनुचित है, जो आरटीई के नियमों का पालन करते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। एसोसिएशन ने पूर्व से प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अपार आईडी संबंधी अनिवार्यता में छूट देने की मांग की है।

आरटीई की भावना बनाम प्रशासनिक शर्त

निजी स्कूल प्रबंधन का तर्क है कि आरटीई अधिनियम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को निर्बाध शिक्षा उपलब्ध कराना है। यदि प्रतिपूर्ति राशि को अपार आईडी से जोड़कर रोका जाता है, तो इसका सीधा असर विद्यालयों की वित्तीय व्यवस्था और विद्यार्थियों की शिक्षा पर पड़ सकता है। फिलहाल इस मुद्दे पर शिक्षा विभाग की आधिकारिक प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है। अपार आईडी की अनिवार्यता और प्रतिपूर्ति भुगतान के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाएगा, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

खास खबर

क्राइम रिपोर्टर शांतनु रॉय को फिर मिली जान से मारने की धमकी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में एक बार फिर पत्रकार सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। युवा क्राइम रिपोर्टर शांतनु रॉय को अज्ञात गुंडे-बदमाशों ने बीच सड़क पर रोककर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पत्रकार जगत में आक्रोश और चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बदमाशों ने रिपोर्टर को धमकाते हुए कहा, ह्लज्यादा शहर में उड़ मत, वरना तेरा उड़ना तुझे ही भारी पड़ जाएगा,ह्व जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।

बताया जा रहा है कि यह पहला मौका नहीं है जब शांतनु रॉय को इस तरह की धमकियों का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले साल 2021 में भी उन्हें कोतवाली थाना के अंदर से हत्या के आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई थी। उस घटना के बाद भी सुरक्षा और कारर्वाई को लेकर कई सवाल उठे थे, लेकिन अब ताजा मामले ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था पर बहस छेड़ दी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बीच सड़क पर हुए इस घटनाक्रम के दौरान दो अज्ञात बदमाशों ने पत्रकार के साथ झूमा-झटकी की और मारपीट करने की कोशिश की। हालांकि, शांतनु रॉय ने साहस दिखाते हुए अपने बचाव में बदमाशों का सामना किया। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब रिपोर्टर ने आत्मरक्षा में एक बदमाश को पकड़कर उसे काबू में कर लिया। मौके की नजाकत को देखते हुए दोनों बदमाश किसी तरह वहां से फरार हो गए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के कई ऐसे संवेदनशील इलाके हैं जहां पत्रकारों की पहुंच और पकड़ पुलिस से भी तेज मानी जाती है। अक्सर जहां पुलिस समय पर नहीं पहुंच पाती, वहां मीडिया कर्मी मौके पर मौजूद रहते हैं। ऐसे में एक क्राइम रिपोर्टर को खुलेआम धमकी मिलना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

घटना के बाद पत्रकार संगठनों और मीडिया से जुड़े लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने आरोपियों की शीघ्र पहचान कर सख्त कारर्वाई की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले की शिकायत जल्द ही माना थाना में दर्ज कराई जाएगी। पुलिस प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वह मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज करेगा और दोषियों को जल्द गिरफ्तार करेगा। फिलहाल, घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा और चिंता का माहौल है। पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता को लेकर फिर से बहस तेज हो गई है। यह देखना अहम होगा कि पुलिस इस मामले में कितनी तेजी और प्रभावी कारर्वाई करती है।

सर्राफा कारोबारी से लूट कांड करने वाले आरोपी पहले करने वाले थे भाजपा नेता की हत्या, स्थानीय हिस्ट्रीशीटर ने दी थी सुपारी

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

बिलासपुर में सर्राफा लूट सिर्फ एक वारदात नहीं थी, बल्कि एक खतरनाक आपराधिक साजिश की परत खोलने वाली घटना साबित हुई। जांच में सामने आया कि आरोपी भाजपा पार्षद बंधु मौर्य की 25 लाख में हत्या की सुपारी लेकर आए थे और शहर में अन्य लूट व सेंधमारी की भी तैयारी थी। पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर नगदी, हथियार और वाहन बरामद किए हैं।

बिलासपुर। 17 फरवरी को शहर में सर्राफा व्यापारी के साथ हुई लूट की वारदात अब साधारण अपराध नहीं रह गई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह पूरा मामला एक संगठित आपराधिक गिरोह द्वारा रची गई बड़ी साजिश का हिस्सा था। आरोपियों ने न केवल लूट को अंजाम दिया, बल्कि भाजपा पार्षद एवं सब्जी के थोक व्यापारी बंधु मौर्य की हत्या की सुपारी भी ले रखी थी। इसके अलावा एक होटल व्यवसायी को लूटने और शहर की ज्वेलरी दुकान में सेंधमारी की योजना भी तैयार की गई थी।

पूरे मामले का खुलासा आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने प्रेसवार्ता में किया। एसएसपी ने बताया कि 17 फरवरी को महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक संतोष तिवारी पर जानलेवा हमला कर उनकी कार में रखा सोना लूट लिया गया था। घटना के बाद पुलिस ने तेजी से कारर्वाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपियों की पहचान की और उत्तरप्रदेश पुलिस के सहयोग से मिर्जापुर से उन्हें गिरफ्तार कर लिया। लूट का शत-प्रतिशत माल भी बरामद कर लिया गया। आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर बिलासपुर लाकर रिमांड में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

जांच में यह सामने आया कि गिरोह सबसे पहले भाजपा पार्षद बंधु मौर्य की हत्या की साजिश को अंजाम देने बिलासपुर आया था। इस पूरे षड्यंत्र की कड़ी शहर के नारद उर्फ सुमित श्रीवास से जुड़ी पाई गई। उसने विनोद उर्फ बिन्नू प्रजापति को फोन कर ह्लबड़ा कामह्व बताकर बिलासपुर बुलाया और मोटी रकम का लालच दिया। विनोद अपने साथियों विजय लाम्बा, रिंकू, गगनदीप और आमिर के साथ शहर पहुंचा। इन्हें राजकिशोर नगर स्थित होटल सेलिब्रेशन में ठहराया गया, जहां नारद श्रीवास और राजू सोनकर के साथ बैठक हुई। राजू सोनकर ने पार्षद बंधु मौर्य से चल रहे अपने विवाद का हवाला देते हुए 25 लाख रुपये में हत्या की सुपारी देने की बात कही और 6 लाख रुपये एडवांस भी नारद श्रीवास को सौंपे। आरोपियों को पार्षद की दिनचर्या, घर, व्यापार और आवाजाही के मार्ग की पूरी जानकारी दी गई।

18 दिसंबर को आरोपियों ने चोरी की बाइक से चांटीडीह कॉम्प्लेक्स के पास पार्षद की कार को पिस्तौल दिखाकर रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे वाहन तेज रफ्तार से निकाल ले गए और वारदात टल गई। इसके बाद गिरोह ने हत्या की योजना फिलहाल टालने का निर्णय लिया।

हत्या की साजिश विफल होने के बाद सदर बाजार स्थित एक ज्वेलरी दुकान में सेंधमारी की योजना बनाई गई। त्यौहार के दौरान ढोल-ताशे के शोर का फायदा उठाकर तिजोरी तोड़ने की योजना थी, लेकिन तिजोरी काटने वाले व्यक्ति की उपलब्धता न होने के कारण यह योजना भी टाल दी गई।

इसके बाद गिरोह ने होटल व्यवसायी लखन देवांगन उर्फ नीटी को निशाना बनाने की योजना बनाई। 20 दिसंबर को चोरी की दो मोटरसाइकिलों से पहुंचकर सुबह के समय लूट का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। आरोपी रेलवे स्टेशन के पास बाइक छोड़कर ट्रेन से अनूपपुर भाग गए। वहां से पुलिस ने गगनदीप को गिरफ्तार किया, जबकि अन्य फरार हो गए।

फरवरी माह में नारद श्रीवास ने एक बार फिर विनोद प्रजापति को फोन कर बिलासपुर बुलाया। इस बार उसके साथ विजय लाम्बा, करीम खान और मोनू उर्फ राहुल आए। इरफान अली भी उनसे जुड़ा। आरोपियों ने मैनपाट से मोटरसाइकिल और अकलतरा से मारुति ईको कार चोरी की। बंधु मौर्य और महालक्ष्मी ज्वेलर्स की दोबारा रेकी की गई।

17 फरवरी की रात लगभग 9 बजे जब संतोष तिवारी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तब आरोपियों ने मारुति ईको से उनकी कार को टक्कर मारी। कार से उतरते ही उन पर पिस्टल तानकर बट और हथौड़ी से हमला किया गया और कार में रखा सोना लूटकर फरार हो गए। अब तक पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी में विनोद उर्फ बिन्नू प्रजापति, जिला अनूपपुर (म.प्र.), करीम खान, जनपद बरेली (उ.प्र.), विजय लाम्बा, पूर्वी दिल्ली, मोनू उर्फ राहुल, नोएडा, इरफान अली, जिला बिलासपुर (छ.ग.), नारद उर्फ सुमित श्रीवास, बिलासपुर, राजू सोनकर, बिलासपुर शामिल हैं। आरोपियों से बरामद संपत्ति में 5 लाख 33 हजार रुपये नगद, 6 धारदार चाकू, 1 देशी कट्टा, 1 जिंदा कारतूस, 6 मोबाइल फोन, 1 मारुति ईको कार, 1 रेनॉल्ट क्विड कार और 1 महिंद्रा स्कॉर्पियो वाहन शामिल है।

दर्ज प्रकरण में संतोष तिवारी के साथ लूट थाना सरकंडा, बिलासपुर, लखन देवांगन के साथ लूट प्रयास झ थाना सरकंडा, बंधु मौर्य की हत्या व लूट की साजिश झ थाना सरकंडा और पुलिस पर हमला व फरारी झ थाना अहरौरा, जिला मिर्जापुर (उ.प्र.) शामिल है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य संभावित नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन की भी जांच जारी है। शहर में बाहरी आपराधिक तत्वों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

ब्रह्मा भोजन का आयोजन सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री शांति सरोवर में आयोजित स्नेह मिलन और ब्रह्मा भोजन कार्यक्रम में हुए शामिल
कैबिनेट मंत्रीगण, नेता प्रतिपक्ष और विधानसभा के सदस्य भी रहे मौजूद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नया रायपुर स्थित शांति सरोवर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सम्मानित सदस्यों के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं ब्रह्मा भोजन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने ब्रह्माकुमारी बहनों के स्नेह, आत्मीयता और सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि बहनों के प्रेम और आदर से हम सब अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बड़े स्नेह के साथ विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन एक सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता और आत्मिक शांति के प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शांति सरोवर और शांति शिखर जैसे आध्यात्मिक केंद्रों में सदैव सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। संस्था का 137 से अधिक देशों में विस्तार होना अत्यंत सुखद और प्रेरक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में जनजागृति लाने का कार्य कर रहा है। महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में संस्था की भूमिका उल्लेखनीय है। जनजातीय क्षेत्रों में भी संस्था द्वारा सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से स्थानीय लोगों को व्यापक लाभ मिला है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ब्रह्माकुमारी बहनों के अतिथि बने और पवित्र ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कैबिनेट मंत्रीगण और सभी विधायकगणों ने भी ब्रह्मा भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा के सभी सदस्यों को माउंट आबू आने का आग्रह किया, जिसे मुख्यमंत्री श्री साय ने सहर्ष स्वीकार करते हुए वहां आने की सहमति दी। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायक धरमलाल कौशिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी परिवार की ओर से मृत्युंजय भाई, आत्म प्रकाश भाई, हेमलता दीदी, लता दीदी, आशा दीदी, सरिता दीदी एवं सविता दीदी सहित अन्य सदस्य कार्यक्रम में सहभागी रहे।

डीएमएफ फंड प्रकरण में आरोपी पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ब्यूरो द्वारा पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 02/2024 (DMF प्रकरण) में विस्तृत विवेचना उपरांत आरोपी अनिल टुटेजा को विधि अनुसार गिरफ्तार किया गया है। विवेचना के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्यों, दस्तावेजों तथा विभिन्न व्यक्तियों के कथन/बयानों से प्रथम दृष्ट्या यह तथ्य सामने आया है कि आरोपी द्वारा DMF निधि से संबंधित विभिन्न कार्यों में अपने परिचित व्यक्तियों एवं फर्मों को कमीशन/प्रतिफल लेकर कार्य दिलवाने तथा कार्य आवंटन कराने में सक्रिय भूमिका निभाई गई।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने अपने रिश्तेदारों एवं निकट संबंधियों के माध्यम से विभिन्न फर्मों को कमीशन लेकर DMF मद के कार्य दिलवाने/आवंटित कराने की गतिविधियाँ संचालित कीं। आरोपी द्वारा DMF फंड से संबंधित जिलों में कमीशन लेकर कार्य दिलवाने/आवंटन कराने की गतिविधियाँ भी संचालित की जाती रही हैं।

उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों एवं बयानों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध शासकीय धन के दुरुपयोग, आपराधिक षड्यंत्र तथा भ्रष्ट आचरण से संबंधित संज्ञेय अपराध प्रथम दृष्ट्या स्थापित पाए गए हैं। आरोपी को विधि अनुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर 26 फरवरी 2026 तक पुलिस रिमांड की अनुमति प्राप्त की गई है तथा प्रकरण की विवेचना जारी है।

पहल इंद्रजीत सिंह छोटू के प्रयासों से हुई घर वापसी, पूरे समाज में हो रही प्रशंसा

गुरुद्वारा में 'घर वापसी': दो परिवारों की सिख पंथ में पुनः आस्था

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर के सुपेला स्थित गुरुद्वारा में मंगलवार को एक भावनात्मक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण आयोजन हुआ। जानकारी के अनुसार, पहले सिख धर्म से ईसाई धर्म अपनाने वाले दो परिवार अब पुनः सिख पंथ में शामिल हो गए है। कुल आठ सदस्य आज दोपहर 1 बजे गुरुद्वारा सुपेला में आयोजित कार्यक्रम में 'घर वापसी' किया।

युथ सिख सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह को सौंपे गए आवेदन में मनजीत सिंह ने उल्लेख किया है था कि वे सिख गुरुओं की शिक्षाओं, मानव सेवा की भावना और गुरु परंपरा से प्रभावित होकर पुनः सिख धर्म अपनाना चाहते हैं। आवेदन में उन्होंने सिख मर्यादाओं और सिद्धांतों का पूर्ण श्रद्धा के साथ पालन करने का संकल्प भी व्यक्त किया है।

समिति से जुड़े सदस्यों के अनुसार, यह कार्यक्रम धार्मिक रीति-रिवाजों के तहत सम्पन्न हुआ। जिसमें अरदास, गुरुवाणी पाठ और संगत की उपस्थिति में औपचारिक रूप से परिवारों को सिख पंथ में पुनः शामिल गया।

समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि यह आयोजन किसी दबाव या विवाद का विषय नहीं, बल्कि व्यक्तिगत आस्था और स्वेच्छा से लिया गया निर्णय है। वहीं सिख समाज के लोगों से अपील की गई थी कि वे अधिक से अधिक संख्या में गुरुद्वारा सुपेला पहुंचकर संगत का हिस्सा बनें और परिवारों का स्वागत करें। परिणाम स्वरुप सिख समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

धार्मिक आस्था और पहचान से जुड़ा यह घटनाक्रम भिलाई में चर्चा का विषय बना हुआ है। समाज के वरिष्ठजनों का मानना है कि 'घर वापसी' केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि विश्वास, परंपरा और सामुदायिक जुड़ाव का प्रतीक है। अब देखना यह होगा कि यह आयोजन किस तरह सामाजिक और धार्मिक दृष्टि से नया संदेश देता है।

गौरतलब है कि युथ सिख सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू की अगुवाई में निरंतर समाज को प्रेरित करने की दिशा में काम कर रहा है। कई समाज सेवा के काम सिख युवा समिति के द्वारा किए जा रहे हैं। समिति से जुड़े मलकीत सिंह लल्लू, जोगा राव, शानू, इंद्रजीत सिंह चिन्टू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों ने ओपी चौधरी से की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमण्डल ने महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में प्रदेश के वित्तमंत्री ओपी चौधरी से भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमण्डल ने प्रदेश के आगामी बजट को लेकर श्री चौधरी को शुभकामनाएं दी। श्री भसीन ने कहा कि निश्चित ही यह बजट प्रदेश को विकास की नई दिशा देगा और व्यापार जगत के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। यह बजट हम सभी को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने की प्रेरणा देगा और व्यापारियों के लिए नए बाजारों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

प्रदेश चेम्बर के महामंत्री अजय भसीन ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से भेंट कर आगामी बजट को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि व्यापार जगत को उम्मीद है कि इस बजट में उद्योगों, व्यापारियों और उद्यमियों के लिए अनुकूल नीतियाँ लाई जाएँगी, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। भसीन ने कहा कि चेम्बर की ओर से लगातार सुझाव दिए जाते रहे हैं ताकि बजट में व्यापार और उद्योग जगत की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जा सके। सरकार का यह बजट न केवल व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा बल्कि रोजगार सृजन और निवेश को भी प्रोत्साहित करेगा।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।